राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार ,14 अप्रैल 2025

वर्ष 14, अंक 05, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भय मुक्त अपराध मुक्त माफिया मुक्त- मुकुल सिंह आशा ...03

पुलिस मैदानगढ़ी और पुलिस नेब सराय1के संयुक्त प्रयास से 3200 क्वार्टर और 02 कारों की बरामदगी...04

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक आदेश- राष्ट्रपति गवर्नरों के बिल पर 3 महीने में फैसला लें, सुप्रीमकोर्ट से सलाह लें

स्वतंत्र प्रभात

एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि राष्ट्रपति को राज्यपालों द्वारा भेजे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना चाहिए। अदालत ने अनुच्छेद 201 के तहत समय पर कार्रवाई पर जोर दिया और विधायी प्रक्रियाओं में बेवजह देरी पर चेतावनी दी। यही नहीं न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि राष्ट्रपति को विवेक के आधार पर राज्यपाल द्वारा असंवैधानिक माने जाने के आधार पर विचार के लिए रखे गए विधेयकों पर सर्वोच्च न्यायालय की सलाह लेनी चाहिए।राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 का सहारा लेने से अनुच्छेद 200 के तहत आरक्षित विधेयकों के प्रति केंद्र सरकार के दृष्टिकोण में पक्षपात या दुर्भावना की किसी भी आशंका को कम किया जा सकता है।

राज्य विधानसभाओं के विधेयकों पर राज्यपालों को कार्रवाई के लिए समयसीमा तय करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार निर्देश दिया कि राष्ट्रपति को ऐसे विधेयकों पर, राज्यपालों से प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ÷अगर इस अवधि से अधिक समय तक देरी होती है, तो उचित वजहों को दर्ज करना और संबंधित राज्य को सूचित करना आवश्यक होगा।" कोर्ट ने अपने 8 अप्रैल के फैसले को शुक्रवार को सार्वजनिक किया। उसने तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि द्वारा 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने की कार्रवाई को अवैध और त्रुटिपूर्ण ठहराया है। जबकि वे विधेयक पहले ही राज्य विधानसभा द्वारा पुनर्विचारित किए जा चुके थे।

जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने कहा, "यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यदि कोई संवैधानिक प्राधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन उचित समय के भीतर नहीं करता है, तो न्यायालय हस्तक्षेप करने में असमर्थ नहीं रहेंगे।" जहां राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखते हैं और राष्ट्रपति उस पर अपनी स्वीकृति नहीं देते, तो राज्य सरकार को ऐसे कार्य के विरुद्ध इस न्यायालय में चुनौती देने का अधिकार होगा।

जस्टिस पारदीवाला ने बेंच की ओर से लिखते हुए कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत, जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखा जाता है, तो राष्ट्रपति के पास दो विकल्प होते हैं – या तो स्वीकृति देना या अस्वीकृति करना। बेंच ने यह भी कहा कि "अनुच्छेद 201 की एक विशेषता, जिसने वर्षों से केंद्र-राज्य संबंधों में मतभेद उत्पन्न किए हैं, यह है कि इसमें राष्ट्रपति के द्वारा स्वीकृति या अस्वीकृति घोषित करने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं है।"

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि सरकारिया आयोग ने इस विषय की ओर संकेत किया था और सिफारिश की थी कि अनुच्छेद 201 के अंतर्गत संदर्भों के शीघ्र निस्तारण के लिए निश्चित समयसीमा अपनाई जानी चाहिए। पुंछी आयोग ने भी अनुच्छेद 201 में समयसीमा जोड़ने का सुझाव दिया था। सरकारिया आयोग, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस आर. एस. सरकारिया ने की थी, 1983 में केंद्र और राज्यों के बीच व्यवस्था की समीक्षा के लिए

गठित किया गया था। पुंछी आयोग भी केंद्र-राज्य संबंधों पर था और इसे 2007 में भारत के पूर्व चीफ जस्टिस एम. एम. पुंछी के नेतृत्व में स्थापित किया गया था।

अनुच्छेद 201 के अंतर्गत शक्तियों की व्याख्या करते हुए, पीठ ने कहा कि "यद्यपि अनुच्छेद 201 की भाषा राष्ट्रपति के लिए किसी निश्चित समयसीमा का उल्लेख नहीं करती, परंतु समयसीमा की अनुपस्थिति का यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता कि राष्ट्रपति इस महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन अनिश्चितकाल तक टाल सकते हैं। कोई भी विधेयक, जब तक उसे राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त नहीं होती, कानून नहीं बन सकता। इसलिए राष्ट्रपति द्वारा संदर्भों का निस्तारण लंबे समय तक नहीं किया जाना जनभावनाओं के विरुद्ध होगा। ऐसी जनभावनाएं राज्य विधानसभाओं द्वारा विधेयकों के रूप में प्रकट होती हैं।

फैसले में कहा गया कि "हम यह समझते हैं कि राष्ट्रपति को अनुच्छेद 201 के अंतर्गत विधेयकों पर विचार करना होता है, और यह कार्य समयबद्धता में बाधित हो सकता है, परंतु यह तथ्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता को उचित नहीं ठहरा सकता।" पीठ ने कहा कि "बिना किसी वैध कारण या आवश्यकता के राष्ट्रपति द्वारा निर्णय में देरी करना संविधान के उस मूल सिद्धांत के विरुद्ध होगा जिसके अनुसार किसी भी शक्ति का प्रयोग मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकता।"

इस संदर्भ में कोर्ट ने गृह मंत्रालय द्वारा 4 फरवरी 2016 को सभी मंत्रालयों और विभागों को जारी दो कार्यालय ज्ञापनों (OM) का भी उल्लेख किया, जिनमें "राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए सुरक्षित रखे गए राज्य विधेयकों के शीघ्र निपटान" के निर्देश थे।

पहले कार्यालय ज्ञापन का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने कहा कि "यह स्पष्ट है कि राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित विधेयकों पर निर्णय के लिए तीन महीने की समयसीमा तय की गई है, और अत्यावश्यक अध्यादेशों के निपटान के लिए तीन सप्ताह की समयसीमा तय की गई है।"

फैसले में कहा गया, "निर्देशों से स्पष्ट है कि अनुच्छेद 201 की तात्कालिकता और महत्व को स्वीकारते हुए केंद्र सरकार ने समयसीमा और प्रक्रिया स्पष्ट की है। इन कार्यालय ज्ञापनों का अस्तित्व और स्वीकृति यह दर्शाते हैं कि शीघ्र या समयबद्ध निर्णय लेना अनुच्छेद 201 की भावना और उद्देश्य के अनुरूप है।"

सरकारिया और पुंछी आयोगों की सिफारिशें और केंद्र सरकार के दिशानिर्देश यह स्पष्ट करते हैं कि अनुच्छेद 201 के तहत संदर्भों के निपटान की प्रक्रिया में शीघ्रता आवश्यक है। इस संदर्भ में न्यायालय ने कहा, "यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि न्यायालय उन मामलों में हस्तक्षेप कर सकते हैं जहां कोई संवैधानिक प्राधिकारी अपनी जिम्मेदारी को उचित समय में पूरा नहीं कर रहा।"

बेंच ने कहा, "हम उचित समझते हैं कि गृह मंत्रालय द्वारा तय समयसीमा को अपनाया जाए, और राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा विचारार्थ भेजे गए विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्णय लेना जरूरी होगा। यदि इस अवधि के बाद विलंब होता है, तो उपयुक्त वजह दर्ज करने और संबंधित राज्य को सूचित करने की जरूरत होगी।

अदालत ने कहा कि राज्यों को भी सहयोगात्मक रुख अपनाते हुए उठाए गए सवालों के जवाब देने और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्र विचार करना चाहिए। राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के पास भी "पूर्ण वीटो" का अधिकार नहीं है, और इसलिए राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी रोकने का फैसला भी "स्पष्ट और ठोस कारणों" के साथ होना चाहिए। कोर्ट ने कहा, "जैसा कि हमने स्पष्ट किया कि राज्यपाल को किसी भी विधेयक पर 'पूर्ण वीटो' का अधिकार नहीं है, वैसे ही यही मानक राष्ट्रपति पर भी लागू होता है। संविधान में यह नियम स्पष्ट है कि ऐसी असीमित शक्तियाँ किसी भी संवैधानिक पद पर नहीं हो सकतीं।"

शेष खबर पेज न. 8 पर

इतिहास में पहली बार- सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयकों पर राज्यपाल की मान्य स्वीकृति घोषित किए जाने के बाद राज्य सरकार ने 10 कानूनों को लागू किया

स्वतंत्र प्रभात

तमिलनाडु सरकार ने 10 अधिनियमों के संचालन को अधिसूचित किया, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल आरएन रवि द्वारा मान्य स्वीकृति घोषित किया था, क्योंकि राज्यपाल ने उन्हें मंजूरी देने में बहुत देरी की थी और राष्ट्रपति को असंवैधानिक संदर्भ दिया था।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना निर्णय अपलोड किए जाने के बाद अधिसूचना जारी की। भारतीय इतिहास में यह पहली बार है कि कोई राज्य सरकार राज्यपाल की स्वीकृति के बजाय न्यायालय के आदेश के आधार पर कानून लागू कर रही है। "इतिहास रचा गया, क्योंकि ये भारत में किसी भी विधानमंडल के पहले अधिनियम हैं, जो राज्यपाल/राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बिना बल्कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बल पर प्रभावी हुए हैं। "सीनियर एडवोकेट और डीएमके राज्यसभा सांसद पी विल्सन ने ङ्क पर पोस्ट किया। कुछ कानून राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को यूनिवर्सिटी का कुलाधिपति बना देते हैं।जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने माना कि राज्यपाल 10 विधेयकों को राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए आरक्षित नहीं रख सकते, क्योंकि राज्यपाल द्वारा पहली बार स्वीकृति न देने के बाद उन्हें राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अधिनियमित किया गया।

इसलिए विधेयकों को 18 नवंबर, 2023 को स्वीकृत माना गया, जिस दिन उन्हें सरकार द्वारा पुनः प्रस्तुत किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यू.पी.(सी) संख्या 1239/2023 में दिनांक 08.04.2025 के अपने आदेश में आदेश दिया कि उक्त विधेयक को सुरक्षित रखने की तिथि के बाद माननीय राष्ट्रपति की सभी कार्रवाई गैर-कानूनी है और उक्त विधेयक को स्वीकृति के लिए उनके समक्ष प्रस्तुत किए जाने की तिथि को माननीय राज्यपाल द्वारा स्वीकृत मान ली गई मानी जाएगी -अधिसूचित अधिनियम हैं-

1. तमिलनाडु मत्स्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2020।

Also Read - राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर लेना होगा निर्णय- सुप्रीम कोर्ट

2. तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2020

3. तमिलनाडु विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) अधिनियम, 2022।

4. तमिलनाडु डॉ. अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2022

5. तमिलनाडु डॉ. एम.जी.आर. मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई (संशोधन) अधिनियम, 2022।

6. तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2022।

7. तमिल विश्वविद्यालय (दूसरा संशोधन) अधिनियम, 2022।

8. तमिलनाडु मत्स्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2023।

9. तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2023।

संक्षिप्त ख़बरें

रेफर पॉलिसी में अनियमितता पर हाईकोर्ट सख्त, स्वास्थ्य विभाग से मांगा जवाब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेवजह रेफर किए जाने की बढ़ती शिकायतों को लेकर अब उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपना लिया है। लखनऊ खंडपीठ में अधिवक्ता एवं समाजसेवी आशुतोष सिंह द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य समेत 10 प्रतिवादियों से जवाब मांगा है। याचिका (संख्या- 318/2025 - आशुतोष सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य) में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया है कि जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा मरीजों को बिना उचित कारण बताए उच्च संस्थानों के लिए रेफर कर दिया जाता है। इतना ही नहीं, जहां मरीजों को रेफर किया जाता है, वहां भी उन्हें समुचित इलाज नहीं मिल पाता। नतीजतन मरीज इधर-उधर भटकते हैं, गंभीर स्थिति होने पर जान भी चली जाती है या फिर उन्हें आर्थिक बोझ उठाते हुए निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। याचिका में एक विशेष मरीज के केस का हवाला देते हुए स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उदाहरण स्वरूप रखा गया है। अदालत की डबल बेंच ने इस मामले को गंभीर मानते हुए स्वास्थ्य विभाग से विस्तृत जवाब तलब किया है। यह जनहित याचिका अगर न्यायालय में निर्णायक मोड़ पर पहुंचती है तो इसके दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि इससे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रेफर प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही तय होगी, जिससे आम मरीजों को राहत मिलेगी। अधिवक्ता आशुतोष सिंह ने कहा कि यह लड़ाई हर उस आम आदमी के लिए है जो सरकारी अस्पतालों पर निर्भर है और जिसके पास महंगे इलाज का विकल्प नहीं होता। उन्होंने न्यायालय से आग्रह किया है कि इस व्यवस्था में ऐसा बदलाव लाया जाए जिससे मरीजों को इंसाफ मिले और उन्हें बेवजह की दौड़-भाग से राहत मिल सके।

आखिरकार घोटाले की जाँच में दोषी ग्राम प्रधान पर कब होगी कार्यवाही

- ग्राम विकास अधिकारी ने किया था 13 लाख का घोटाला 120 शौचालय का रुपया किया गया गमन
- घोटाले में ग्राम विकास अधिकारी हुआ था निलम्बित
- ग्राम प्रधान को बचाने में लगे अधिकारी कही घूंस की भेंट न चढ़ जाए घोटाले की जांच

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद में सिराथू तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कशिया पश्चिम में 20/03/2025 को कृषि उपनिदेशक के द्वारा ग्राम पंचायत में 13 लाख रुपये के घोटाला के मामले में पूर्व ग्राम विकास अधिकारी सतीश

चौधरी को सरकारी शौचालय के घोटाले में निलम्बित किया गया था लेकिन ग्राम प्रधान बच निकले जिसकी जॉच कृषि उपनिदेशक ने किया था जिसमें शौचालय घोटाले की सत्यता देखी तो घोटाला सही पाया गया जिसमें केवल दो लोगों को शौचालय निर्माण का रुपया मिला था बाकी फर्जी लिस्ट देकर अधिकारी को गुमराह करने में कई ग्रामीणों से पूछा तो सच सामने आ गया लोगों ने बताया की वह अपने रूपयों से निर्माण कार्य कराया है प्रधान के द्वारा कोई भी राशि नही मिली जिससे जांच कर रहे अधिकारी को गुस्सा भी आया था लेकिन उन्होंने कहा कि फर्जी गुमराह मत करिये जिन शौचालय की ग्राम प्रधान ने लिस्ट दिया था सभी फर्जी मिले थे ग्राम प्रधान पर आरोप लगाने की बात कही जिससे जांच कर रहे अधिकारी ने कहा कि एक भी लाभार्थी का नाम शौचालय की दीवाल में लिखा नही है अधिकारियों को गुमराह करने के लिए इधर-उधर प्रधान व प्रधान पुत्र घुमाते रहे जिस पर उनका पारा फिर चढ़ गया और फटकार लगाते हुए कहा कि गलत है फर्जी अभिलेख देकर बचना चाहते हो वह नही हो पायेगा मौके पर सन्नो पत्नी महेश ,वीरेन्द्र व राजेन्द्र पुत्र झगडू राम ने जाँच अधिकारी के पूंछने पर बताया कि हमकों एक भी रुपया नही मिला वहीं एक विकलांग व्यक्ति भी कृषि निदेशक से अपने लिए शौचालय की गुहार लगायी जिस पर प्रधान पुत्र भड़क गया और कहा नही मिलेगा कृषि निदेशक द्वारा शौचालय देखे गये उनमें लगभग तीन हिस्सा शौचालय पात्रता वालों के नहीं मिले और न ही मौके पर थे कई लोगों ने बताया की रुपये हमें नहीं दिया गया शौचालय हमने अपने रुपये से बनाये हैं जांच प्रभारी ने अपने मातहत को शौचालय में पात्रता नाम नहीं होने पर बिन्दु वार नोट करने को कहा व जांच अधिकारी को लगभग 4 शौचालय ही मिले थे लेकिन अभी तक घोटाला करने वाले ग्राम प्रधान पर कार्यवाही नही हो सकी जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फिर फैलना शुरु हो गया शौचालय जो मिले भी तो सन्दिग्ध रहा मौके पर प्लास्टिक बैंक 40 में केवल 7 ही पाया गया था डस्टबीन एक भी नही पाया गया था हर जाँच में झोल ही झोल पाया गया मौके पर ग्राम विकास अधिकारी बुद्ध प्रकाश गौतम व अन्य अधिकारी व ग्रामीणों की मौजूदगी में जाँच करायी गयी जिसमें आठ विन्दुओं की जाँच में कमी ही पायी गयी।

आपसी विवाद के बाद दंपति ट्रेन के सामने कूदे, पत्नी की मौत पति घायल!

जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र के इंदिरानगर नई बस्ती निवासी पति पत्नी शनिवार के सुबह करीब दस बजे आपस में विवाद कर लिए। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों घर के पीछे से गुजर रही मालगाड़ी के सामने कूद कर आत्महत्या करने का प्रयास किए। जिसमें पत्नी की मौत हो गई। पति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी होते ही परिजनों ने एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। जहां पर पति का प्राथमिक उपचार कर ट्रामा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया है। महिला की मौत हो गई। कजाकपुरा वाराणसी निवासी शानू पाल (24), अपनी पत्नी संगीता (21) निवासी शैलपूर्ति मोहल्ला के साथ लव मैरिज शादी की थी।

राजगढ़ थाना क्षेत्र के इंदिरानगर नई बस्ती में जमीन लेकर घर बना लिया था। जो अपने भाई भाभी के साथ बगल में बने घर में रहता था। शनिवार को करीब 10 बजे किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों जान देने के लिए तैयार थे। तभी घर के पीछे जा रही मालगाड़ी के सामने दौड़कर कूद गए। जिससे संगीता (21) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। लती शानू पाल गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर एंबुलेंस से दोनों पति-पत्नी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ लाया गया। जहां पर पति का प्राथमिक उपचार कर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया। जबकि सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि दोनों में विवाद के बाद ट्रेन के सामने कूदने की जानकारी मिली है। महिला की मौत होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पति को ट्रामा सेंटर मिर्जापुर भेजा गया है।

भ्रष्टाचार

यदि नगर पालिका प्रशासन करता कार्यवाही तो रुक सकता था अवैध निर्माण

बगैर जमीन फ्री होल्ड कराये और विनियमित क्षेत्र से नक्शा पास कराए बगैर होता रहा अवैध निर्माण और नगर पालिका प्रशासन रहा मौन

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी एक तरफ जहां योगी सरकार द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्यवाही के आदेश अपने मातहत को दिए जा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ उन्हीं के मातहतो के द्वारा अपनी ही सरकार के आदेशों को ताक पर रखकर अवैध निर्माण कर्ताओं के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसके परिणाम स्वरुप अवैध कब्जा धारक शासन के आदेशों को ताक पर रख नजूल की ज़मीनो पर बेखौफ अवैध निर्माण करते दिखाई पड़ रहे हैं।ताजा मामला मोहल्ला नई बस्ती का है जहां पर तीन जगह पर अवैध तरीके से नजूल की जमीन पर अवैध निर्माण कराया जा रहा है और इसके जिम्मेदारों में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी मूकदर्शक की भूमिका में सब कुछ होते देखते रहे. ऐसे में शासन के आदेशों का प्रभावी अनुपालन हो पाना मात्र सपना बनकर रह गया है।

यदि समय रहते साहब लोगों ने लिया होता संज्ञान तो शायद अवैध निर्माण को रोका जा सकता था ऐसा कई प्रबुद्ध वर्ग के लोगों का कथन है।लोगों की जुबानी पर गौर करें तो जब अवैध तरीके से बनवाई गई दुकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही हो सकती है तो नई बस्ती में मंदिर के रास्ते में रखा खोखा जो देखते-देखते पक्के निर्माण में तब्दील हो गया और सचिन श्रीवास्तव का दो मंजिल पर भी छत पड़ गई इन पर ध्वस्तिकरण की कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?वही बेहद करीबी राजनीतिक व्यक्ति द्वारा नाम ना उजागर करने की शर्त पर बताया की कार्यवाही हो कैसे क्योंकि वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष ने भी तो आशा पैथोलॉजी वाली इमारत को बगैर फ्री होल्ड कराये और विनिमित क्षेत्र से नक्शा पास कराए बगैर तथा ध्वस्तीकरण व मलवा निस्तारण आदेश लिए बगैर ही इमारत को तुड़वाकर नवीन तरीके से अवैध निर्माण कराया है।नगर पालिका की वर्तमान अध्यक्ष एवं सत्ता पक्ष संरक्षित होने के चलते अधिशासी अधिकारी अपने अध्यक्ष के खिलाफ कार्यवाही करने में लाचार नजर आ रहे हैं।शायद सत्ता पक्ष के लोगों व सत्ता संरक्षित लोगों पर सरकार के कोई नियम कानून न लागू होते हो शायद इसीलिए अवैध निर्माण कार्य पर कारवाही न की जा रही हो ऐसा लोगों का आरोप है। इसे अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लखीमपुर की मजबूरी कहें या बेबसी।जिसकी वजह से शहर की काफी कीमती और कई जमीनों पर साधन संपन्न व रसूखदारो द्वारा अवैध तरीके से निर्माण कराकर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग खड़ी कर ली गई,और नगर पालिका प्रशासन नोटिस पर नोटिस देता रहा।नगर पालिका प्रशासन और तहसील प्रशासन की इस बेबसी के चलते शहर की वेशकीमती जमीनों पर साधन संपन्न रसूखदारों ने अवैध तरीके से कब्जा कर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग खडी कर ली जो शासन के आदेशों की खुली अवमानना को दर्शाती है और प्रशासन इन सब के सामने निरीह अवस्था में खड़ा इनके ऊपर कार्यवाही करने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है.

जब नगर पालिका अध्यक्ष ही करेंगी अवैध निर्माण तो कौन कराएगा कानून का पालन मामला स्थानीय शहर लखीमपुर के अंतर्गत मोहल्ला नई बस्ती का है जहां पर नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए नजूल जमीन का पट्टा निरस्त होने के बाद भी जमीन को फ्री होल्ड कराये वगैर और विनियमित क्षेत्र से नक्शा पास कराये बिना अवैध तरीके से पक्का निर्माण करा डाला गया।इतना ही नहीं बगैर ध्वस्तीकरण आदेश व मलवा निस्तारण आदेश के पुरानी इमारत को ध्वस्त कराकर नवीन निर्माण शुरू कर दिया गया।क्या यह नियम कानून का उलंघन एवं शासनादेश का नाफ़रमानी नहीं है।अधिशासी अधिकारी मजबूरन अपनी अध्यक्ष पर कार्यवाही करने से बचते नजर आ रहे हैं।ऐसे में कानून का पालन कैसे हो पाएगा अहम सवाल बना है। साथ ही साथ पार्टी की छवि भी धूमिल हो रही है लोगों को कहना है जब माली ही बाग को खाएगा तो फिर कौन उसे बचाएगा?

अवैध निर्माण पर रोक के बावजूद कराए गए अवैध निर्माण पर कब गरजेगा बुलडोजर

जनपद खीरी में स्थानीय शहर के मोहल्ला नई बस्ती जहां पर दबंगों द्वारा

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लखीमपुर के निर्माण कार्य पर रोक लगाये जाने के बाद भी एक बाबू की सह पर अवैध निर्माण होते दिखाई पड़ा लोगों नें उक्त बाबू का नाम उजागर करते हुए दो अवैध निर्माणों पर प्रकाश डाला।

सूत्रों की माने तो मोहल्ला नई बस्ती में मंदिर के सामने कल तक खोखा रखा था आज वह पक्के निर्माण में तब्दील हो चुका है। और नगर पालिका प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी।यह कहना कहां तक सही माना जाए जिम्मेदारों को पता नहीं था। हकीकत तो यह है की जिम्मेदार जानकर भी अंजान बने बैठे हैं। वहीं सचिन श्रीवास्तव द्वारा अधिशासी अधिकारी के निर्माण रोके जाने के आदेश के बावजूद भी निर्माण कार्य जारी रखा और मकान पर छत डलवा दी। जो शासन के आदेशों की अवमानना है लोगों का कहना है कि आखिर इस अवैध निर्माण पर कब गरजेगा बुलडोजर?जब दुकानों का ध्वस्तीकरण हो सकता है तो इस अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण क्यों नहीं हो सकता? क्या नगर पालिका प्रशासन व तहसील प्रशासन इस अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण कराएगा यह अहम सवाल बना हुआ है? यह तो समय ही बताएगा की क्या कार्यवाही अमल में लाई जाती है।

वैशाखी- खालसा की नींव से खेतों की मुस्कान तक

[भक्ति, बलिदान और भाइचारे का संगम- वैशाखी की महिमा]

जब सूरज की किरणें खेतों में लहलहाते गेहूं की बालियों पर पड़ती हैं और पंजाब की धरती ढोल की थाप पर थिरकने लगती है, तब वैशाखी का पर्व अपनी पूरी रंगत के साथ आता है। यह पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवंतता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोग, भांगड़ा और गिद्दा के जोशपूर्ण नृत्य, गुरुद्वारों में गूंजता कीर्तन और लंगर की सोंधी महक—यह सब मिलकर वैशाखी को एक अविस्मरणीय अनुभूति बनाता है। यह वह समय है जब प्रकृति और मानव का रिश्ता और गहरा हो जाता है, जब श्रम का सम्मान और अध्यात्म का आलोक एक साथ चमकता है। बैसाख मास की संक्रांति को मनाया जाने वाला यह पर्व पंजाब और उत्तर भारत में विशेष रूप से उत्साह और श्रद्धा के साथ जीवंत हो उठता है।

यह पर्व रबी की फसल की कटाई का उत्सव है, जब किसान अपनी मेहनत का फल सुनहरी फसलों के रूप में देखते हैं। खेतों में लहलहाते गेहूं उनके श्रम और प्रकृति के आशीर्वाद का प्रतीक हैं। किसानों के चेहरों पर संतुष्टि की मुस्कान और नए वर्ष के प्रारंभ की खुशी इस दिन को और खास बनाती है। वे प्रकृति और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, क्योंकि यह उनके लिए समृद्धि और सुख-शांति का प्रतीक है। मेलों की चहल-पहल, ढोल की थाप पर थिरकते कदम और पारंपरिक नृत्यों का जोश वैशाखी को एक जीवंत उत्सव बनाता है। भांगड़ा और गिद्दा के माध्यम से पंजाब की संस्कृति अपनी पूरी शान के साथ उभरती है, जो न केवल आंखों को सुकून देती है, बल्कि दिलों को भी जोड़ती है। यह पर्व हमें सिखाता है कि श्रम और प्रकृति का यह अटूट बंधन ही जीवन की सच्ची समृद्धि का आधार है।

वैशाखी का महत्व केवल कृषि तक सीमित नहीं, बल्कि यह सिख धर्म के लिए भी एक पवित्र और ऐतिहासिक दिन है। 13 अप्रैल, 1699 को आनंदपुर साहिब में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने 'पांच प्यारों' को सामने लाकर साहस, समर्पण और सेवा के मूल्यों को स्थापित किया। खालसा पंथ की स्थापना एक ऐसी क्रांति थी, जिसने समाज में समानता और निष्ठा की भावना को जागृत किया। इस दिन गुरुद्वारों में कीर्तन और अरदास की गूंज होती है, और लंगर में हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग का हो, एक साथ बैठकर भोजन करता है। लंगर की यह परंपरा सेवा और समानता का प्रतीक है, जो सिख धर्म की पहचान को विश्व भर में उजागर करती है। वैशाखी हमें यह सिखाती है कि सच्चा धर्म वही है, जो मानवता को जोड़े और हर हृदय में प्रेम का दीप जलाए।

यह पर्व भारतीय इतिहास में एक दुखद और प्रेरणादायक घटना से भी जुड़ा है। 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में निहत्थे और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अंग्रेज जनरल डायर ने अंधाधुंध गोलियां चलवाईं, जिसमें सैकड़ों लोग शहीद हुए। यह अमानवीय कृत्य स्वतंत्रता संग्राम में एक चिंगारी बन गया, जिसने देशवासियों में आजादी की ललक को और प्रबल किया। वैशाखी इस बलिदान की स्मृति को भी अपने में समेटे हुए है। यह हमें याद दिलाती है कि स्वतंत्रता और सम्मान के लिए कितने लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। यह केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्मबलिदान और आत्मसम्मान की चेतना का भी प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि हमारे आज के सुख और स्वतंत्रता के पीछे अनगिनत बलिदानों की कहानी छिपी है।

वैशाखी सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव का भी अनुपम अवसर है। मेलों में लोक नृत्य, संगीत और हस्तशिल्प की बहार देखते ही बनती है। पंजाबी लस्सी, सरसों का साग, मक्के की रोटी और मिठाइयों की मिठास इस पर्व को और स्वादिष्ट बनाती है। यह वह समय है जब लोग पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटते हैं। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस उत्सव में एक साथ शामिल होते हैं, जिससे सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को बल मिलता है। यह पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ता है और यह सिखाता है कि विविधता में ही हमारी एकता की ताकत है। यह समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करता है, जहां हर व्यक्ति एक-दूसरे के साथ प्रेम और सम्मान का रिश्ता बनाता है।

आज के आधुनिक युग में, जब हम भागदौड़ भरी जिंदगी में अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं, वैशाखी जैसे पर्व हमें हमारी परंपराओं की याद दिलाते हैं। यह पर्व केवल पंजाब या सिख समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि यह हर उस व्यक्ति के लिए प्रासंगिक है जो श्रम, श्रद्धा और भाईचारे में विश्वास रखता है। विदेशों में बसे भारतीय भी वैशाखी को पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं। कनाडा के सरे में होने वाली भव्य वैशाखी परेड हो या ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, यह पर्व भारतीय संस्कृति के वैश्विक गौरव का प्रतीक बन चुका है। यह हमें हमारी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करना सिखाता है और विश्व भर में भारतीयता की धाक जमाता है।

वैशाखी महज एक तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवंत संवेदना है, जो खुशियों की लहर, कृतज्ञता की गहराई, बलिदान की गरिमा और एकता की सुगंध को एक साथ समेटे हुए है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति श्रद्धा, समाज के प्रति निःस्वार्थ सेवा और स्वयं के प्रति अटूट आत्मसम्मान का अनमोल पाठ पढ़ाता है। आज के युग में, जब तनाव की छाया और अलगाव की दीवारें जीवन को घेर रही हैं, वैशाखी एक मधुर स्वर की तरह हमें बुलाती है—एक साथ आने, हंसी-ठिठोली में डूबने और जीवन के सादगी भरे सुखों को गले लगाने के लिए। यह हमें जताती है कि सच्ची समृद्धि बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि हृदय की गहराइयों में बसे मूल्यों की रोशनी में छिपी है। यह वह सुनहरा पल है, जब हम अपने अतीत की गौरव गाथाओं को संजोते हैं, वर्तमान की हर धड़कन को जीते हैं और भविष्य के लिए प्रेरणा लेते हैं।

वैशाखी का पर्व हमें अपनी परंपराओं के अनमोल रत्नों का मोल समझाता है, जो हमें न केवल हमारी जड़ों से जोड़ते हैं, बल्कि हमारे इतिहास और संस्कृति की गौरवमयी विरासत को भी जीवंत करते हैं। यह उत्सव हमें यह विश्वास दिलाता है कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर वह दीप है, जो समय की आंधियों में भी कभी नहीं बुझता। इसे केवल रस्मों का निर्वाह मानकर नहीं, बल्कि इसके गहन संदेश को हृदय में उतारकर मनाना चाहिए। यह वह पवित्र क्षण है, जब हम प्रण लें कि इस अमूल्य सांस्कृतिक खजाने को न केवल संजोएंगे, बल्कि इसे प्रेम और गर्व के साथ अगली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे। वैशाखी की यह रंग-बिरंगी और जोश से भरी यात्रा हर हृदय में उमंग का सागर उड़ेल देती है, जैसे ढोल की थाप पर थिरकता पंजाब सारी दुनिया को अपनी धुन पर नचाए। यह पर्व एकता, प्रेम और सम्मान का ऐसा अमर संदेश लिए आता है, जो जीवन के हर पड़ाव पर हमें प्रेरणा देता है और हमें सिखाता है कि सच्ची समृद्धि हमारी संस्कृति के गर्व में ही बसती है।

प्रो. आरके जैन

(प्रकृति चिंतन)जलवायु परिवर्तन, सांस के लिए हवा भी नही मिलेगी।

वर्तमान में पृथ्वी तथा प्राकृतिक संसाधनों के विनाशकारी जलवायु परिवर्तन की गति तथा उसके प्रभाव में गति की तीव्रता तेजी से महसूस की जाती रही है। इसका और कोई कारण ना होकर मानव की अवांछित गतिविधियां ही हैं। जिनमें मूलतः वन का विनिष्किरण, जीवाश्म ईंधन का ताबड़तोड़ प्रयोग, नई कृषि नीति तथा पद्धति की तीव्रता से होते हुए उद्योगों की संरचना और कंक्रीट के जंगलों यानी शहरों का विस्तारीकरण बड़े कारण हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद विज्ञान से उत्पादित औद्योगिकरण के विकास के साथ मनुष्य ने वायुमंडल के प्रक्रियागत प्रभाव में बदलाव लाना शुरू किया है, जिसके फलस्वरूप पृथ्वी में भूमंडलीय ऊष्मा का विस्तार ओजोन परत का क्षरण, असामयिक बाढ़,अकाल का आना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में वृद्धि से हरित गृह प्रभाव की घटना प्रभावित हुई है। ग्रीन हाउस इफेक्ट पृथ्वी की एक सामान्य प्रक्रिया है जिसके कारण पृथ्वी का निचला स्तर मंडल गर्म बना रहता है. तथा जीवन के अनुरूप वायुमंडल में वातावरण जीवन उपयोगी तथा जीवन के अनुकूल बना रहता है। किंतु ग्रीन हाउस इफेक्ट में बदलाव आने के साथ ही मनुष्य के सामने जलवायु परिवर्तन की बड़ी समस्या सामने आई है। इस तरह के परिवर्तन से ही पृथ्वी की परत को हमें बचाना होगा जिससे हम अति उष्णता, गर्म जलवायु और कम उत्पादन की विभीषिका से मानव को बचा सकते हैं।

विश्व में विकासशील देश दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, पहली भुखमरी यानी कि गरीबी दूसरी जलवायु में तीव्र परिवर्तन और यह दोनों एक दूसरे से गहरे संबंधित हैं। विकासशील तथा गरीब राष्ट्र एक और गरीबी तथा भुखमरी से लड़ाई लड़ रहे हैं एवं गरीबी से छुटकारा पाकर गरिमामय जीवन जीना चाहते हैं ।इसके लिए वे अपने प्राकृतिक, वैज्ञानिक संसाधनों का दोहन करके विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं जिससे इनके सम्मुख कई चुनौतियां उत्पन्न हो जाती है। इनके पास पर्याप्त रूप से आर्थिक वित्तीय पूंजी की कमी साथ ही उन्नत तकनीक का अभाव भी है। ऐसे में यह विकासशील राष्ट्र के विकास हेतु परंपरागत विकास साधनों पर आश्रित हो जाते हैं, जैसे विद्युत उत्पादन के लिए कोयले का उपयोग करना, वाहनों में प्रयुक्त ईंधन की गुणवत्ता का निम्न होना, कारखानों की पुरानी मशीनों द्वारा कार्बन, सल्फर, नाइट्रोजन आदि तत्वों की बड़ी मात्रा में वायु को उत्सर्जित करना आदि आते हैं। इन सब के कारण ग्रीन हाउस गैसें निर्मित होने से ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन घटनाओं को तीव्रता प्राप्त होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापक्रम जैसे कारकों में बहुत तेजी से परिवर्तन होता आया है। इसके पश्चात वर्षा की अनिश्चितता तथा अनियमितता में वृद्धि हुई है साथ ही बाढ़ सूखा अकाल सुनामी हिमस्खलन भूस्खलन जैसी प्राकृत आपदाओं का कई देश हर वर्ष सामना करते आ रहे हैं। उनके सम्मुख बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न होती आई है, और यही प्राकृतिक आपदाएं उन देशों को फिर से गरीबी के दलदल में ढकेल देती है जहां भुखमरी का बोलबाला होता है। विश्व में कुछ देश ऐसे हैं जिनमें जिंबाब्वे, सीरिया,लीबिया, सोमालिया तथा अधिकांश अफ्रीकी देश, दक्षिण एशियाई लैटिन अमेरिकी देशों में भोजन,रोटी के लिए लंबी-लंबी लाइन लगती देखी गई है। दूसरी तरफ विकसित और अमीर देशों में भी लाइन लगती है, लेकिन वहां पर विडंबना यह है कि यह लाइन रोटी के लिए नहीं बल्कि आईफोन, स्मार्टफोनऔर गैजट्स के लिए लगाई जाती है।

अनेक गरीब देशों में सबसे बड़ा संकट विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे को लेकर सामने आया है। जहां यह देश विकास की इच्छा तो रखते हैं पर दूसरी और विकसित देश गरीब देशों को पर्यावरण संरक्षण की सीख दे कर इनके संसाधनों पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। जिससे इनके अस्तित्व तथा संप्रभुता पर गहरी चोट लगती है। यह एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आता है। विकासशील देशों को पर्यावरण संरक्षण जैसी बातें गरीबी के सामने एक चुनौती के रूप में दिखाई देती है। यदि ये देश भुखमरी, गरीबी, कुपोषण, बेरोजगारी जैसे समस्याएं को सुलझाना चाहते हैं तो दूसरी तरफ पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलन बिठाना कठिन हो जाता है। आज विकसित देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अन्य अमीर यूरोपीय देश पर्यावरण संतुलन की बात तो करते हैं पर जहां तकनीकी मदद या संरक्षण की बात को तो यह अपना हाथ पीछे खींचने में भी नहीं चुकते हैं। गरीब तथा विकासशील देश जब भी विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास करते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप पर्यावरण को क्षति होना लाजमी होता है। इसके अलावा इन्हें वैश्विक महाशक्तियों के दबाव भी झेलने पड़ते हैं। गरीब देशों के उत्पादों को खरीदने में बड़े बाजार या यूं कहें कि विकसित राष्ट्र गुणवत्ता की कमी,तकनीकी कमी कहकर तिरस्कृत तथा वापस करने से नहीं चूकते हैं। इस मामले में विकसित राष्ट्र का विकासशील,गरीब राष्ट्र के बीच एक गहरी खाई बन चुकी है और संयुक्त राष्ट्र संघ

मूकदर्शक बना इस मामले में हाथ में हाथ धरे बैठा रहता है। बड़ी जनसंख्या वाले देश जैसे भारत इंडोनेशिया एवं एशिया के अन्य देश विकसित राष्ट्रों के लिए एक बड़ा बाजार जरूर है, पर वहां पर भूखमरी और जलवायु परिवर्तन के मामले में ये सभी बड़े तथा विकसित राष्ट्र खामोश रहते हैं। विकासशील तथा निर्धन देशों में गरीबी, भुखमरी तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण गृह संघर्ष, जातीय संघर्ष,मानव अधिकार उल्लंघन, शरणार्थी समस्या, उग्रवाद, आतंकवाद आदि गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं और और इनकी स्थितरता में बड़ी कमी आई है। पिछले विगत कुछ समय एक घटनाक्रमों से शरणार्थी संकट ग्रह संघर्ष के विस्थापन अकाल बाढ़ तथा आतंकवाद मैं चिंताजनक वृद्धि हुई है, और यह सब पूरे विश्व के लिए चुनौती बन गया है। यह अलग बात है कि विकासशील राष्ट्रों की कमजोर क्षमता के कारण यह चुनौती उन देशों को बड़ी विकराल लगती है क्योंकि इससे पूंजीगत संसाधनों में बड़ी क्षति होती है जिस का संतुलन करना वहां की सरकारों पर बहुत भारी पड़ जाता है। गरीबी रेखा के नीचे लोग ज्यादा जीवन यापन करने लगते हैं। वैश्विक स्थिति का अध्ययन करें तो गरीबी भूखमरी जलवायु परिवर्तन से लड़ना किसी एक देश के लिए संभव प्रतीत नहीं होता, क्योंकि यह वैश्विक समस्या है। इसे सम्मिलित रूप से ही प्रयास कर समाप्त किया जा सकता है। यह तो तय है कि विकासशील राष्ट्रों को उन्नत बनाने तथा विकसित करने में बड़े तथा सक्षम राष्ट्रों को इन छोटे तथा गरीब देशों की तकनीकी विज्ञान और पूंजीगत सहायता प्रदान करनी चाहिए। अपने महंगी खर्चीली परमाणु तथा अणु बम तथा मिसाइल बनाने की योजनाओं को एक तरफ रख विकासशील राष्ट्रों की खुलकर मदद करनी चाहिए। ऐसी परिस्थितियों में ही वैश्विक भुखमरी गरीबी एवं जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटा जा सकता है। भारतीय संदर्भ में यह जरूर कहा जा सकता है कि विगत 10 वर्षों में जलवायु परिवर्तन तथा गरीबी उन्मूलन पर बहुत ज्यादा प्रयास कर नई नई योजनाएं बनाई गई हैं। जैसे राष्ट्रीय हरित मिशन, राष्ट्रीय सतत पर्यावास मिशन, राष्ट्रीय ऊर्जा संवर्धन मिशन पर बहुत सारी योजनाये बनाकर कार्य किया गया है। भारत देश अपनी योजनाओं में छोटे विकासशील राष्ट्रों को भी शामिल किया है और उनकी खुलकर मदद कर रहा है, यह विकसित राष्ट्रों के लिए एक उदाहरण भी है कि उन्हें छोटे तथा गरीब राष्ट्रों को खुलकर मदद करनी चाहिए।

संजीवनी।

जब हवा भी ना मिलेगी।
इतने जंगल काटोगे
इतने कंक्रीट के जंगल बनाओगे
निश्चल नदिया की
धारा में इतना रोक लगाओगे
इतने ऊंचे बांध बनाओगे
तब शुद्ध कहां से हवा पाओगे।

सोचो जरा अपनों को रोको जरा
वनों का संरक्षण करो जरा
जंगल का भी विकास करो जरा
अब नहीं कर पाए तो कब भला
अगली पीढ़ी को क्या दे पाओगे
इस पर भी कुछ विचार करो जरा
शुद्ध हवा के लिए
तब तरस जाओगे भला।

अपनी सुख सुविधा में रोक लगाओ
फ्रिज एसी कार में ब्रेक लगाओ
घर आंगन में पेड़ ही पेड़ लगाओ
जरा प्रकृति को पास तो बुलाओ
चांदनी,चंदा को पास तो झुलाओ
पर्यावरण से अपना प्यार तो जताओ
वरना शुद्ध हवा कहां से पाओगे।

अब नहीं तो कभी नहीं कर पाओगे
कब अपनी इच्छाओं पर रोक लगाओगे
पर्यावरण से ऐसे ही खेलते जाओगे
सांस लेने को
शुद्ध हवा भला कहां से पाओगे

हे मानव
भविष्य में हाथ मलते रह जाओगे।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

मंदिर-मठों में दलितों की हिस्सेदारी एक विश्लेषण

भारतीय समाज की धार्मिक संरचनाएँ - विशेषकर *मंदिर और मठ* केवल आध्यात्मिक केंद्र नहीं हैं, बल्कि ये सदियों से सामाजिक वर्चस्व और जातिगत सत्ता के आधार भी बने रहे हैं। जहां एक ओर ये स्थल श्रद्धा, संस्कृति और आस्था के प्रतीक हैं, वहीं दूसरी ओर ये अनेक बार जातिवादी भेदभाव और सामाजिक बहिष्करण के भी केंद्र रहे हैं। विशेषतः दलित समुदाय को इन धार्मिक संस्थानों से दूर रखा गया - न केवल पुजारी बनने से, बल्कि मंदिर प्रवेश तक से वंचित कर दिया गया।

समाज में सुधार की अनेक लहरें चलीं, संविधान ने समानता का अधिकार दिया, पर क्या मंदिरों और मठों की संरचना में वह समता आ सकी? क्या आज भी एक दलित पुजारी या महंत समाज की वैसी ही स्वीकृति प्राप्त करता है जैसा एक ब्राह्मण पुजारी करता है? इसका उत्तर खोजना समाज की जिम्मेदारी है।

इतिहास की छाया- मंदिरों में दलितों की निष्क्रियता

भारतीय धार्मिक परंपरा में ब्राह्मणों को पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का एकमात्र अधिकारी माना गया। मनुस्मृति और अन्य धर्मशास्त्रों ने स्पष्ट रूप से दलितों को 'अस्पृश्य' कहा और उन्हें धार्मिक स्थलों से दूर रखा गया। मंदिरों में उनकी 'शारीरिक उपस्थिति' तक वर्जित रही।

हालाँकि कुछ ऐतिहासिक उदाहरण अपवाद के रूप में सामने आते हैं-

- संत रविदास, चोखामेला, नामदेव, कबीर जैसे संतों ने भक्ति आंदोलन में भाग लेकर धार्मिक परंपराओं को चुनौती दी, लेकिन इनकी संस्थागत स्वीकार्यता मंदिर व्यवस्थाओं में नहीं थी।

- दलितों को धर्म से विमुख करने और धर्मांतरण की प्रवृत्तियों का एक प्रमुख कारण यही सामाजिक बहिष्करण था। द्दजो कि आंशिक रूप से अभी भी व्याप्त है।

समकालीन परिप्रेक्ष्य- हालात बदल रहे हैं, पर धीरे समय के साथ, सामाजिक सुधार आंदोलनों, संविधानिक अधिकारों और सरकारी नीतियों के चलते कुछ सकारात्मक बदलाव हुए हैं। हालांकि, ये बदलाव काफी सीमित और प्रतीकात्मक हैं।

महत्वपूर्ण आधुनिक उदाहरण

1. लखना काली मंदिर, इटावा (उत्तर प्रदेश)

- पिछले "200 वर्षों से दलित पुजारी" इस मंदिर में पूजा कर रहे हैं।

- स्थापना राजा जसवंत राव ने की थी, जिन्होंने दलित छोटे लाल को पुजारी नियुक्त किया। द्धइस मंदिर में मेरा स्वयं आना जाना बना रहता है।द्ध

2. "लोदी बाबा मंदिर, अमेठी (उत्तर प्रदेश)"

- यहां परंपरागत रूप से "केवल दलित पुजारी" ही सेवा करते हैं।

- यह मंदिर सामाजिक समरसता का प्रतीक बना है।

3. "माँ पंचुबरीही मंदिर, केंद्रपाड़ा (ओडिशा)"

- "पिछले 500 वर्षों से दलित महिलाएं पुजारिन" हैं।

- यह संभवतः भारत का एकमात्र ऐसा मंदिर है।

4. "तमिलनाडु सरकार की पहल (2021)"

- राज्य सरकार ने "24 दलित पुजारियों" को सरकारी मंदिरों में नियुक्त किया।

5. "विश्व हिंदू परिषद (VHP) द्वारा पहल"

- अब तक "5000 से अधिक दलितों को पुजारी बनने का प्रशिक्षण" दिया जा चुका है।

- विशेषकर दक्षिण भारत में ये पुजारी सक्रिय हैं।

"समस्याएँ और बाधाएँ-"

1. "ब्राह्मणिक वर्चस्व" - अधिकांश मंदिरों और मठों में पुजारी या महंत केवल उच्च जातियों से ही नियुक्त किए जाते हैं।

2. "सामाजिक मानसिकता" - दलित पुजारी की पूजा को स्वीकार न करना आज भी कई समुदायों की सोच में शामिल है।

3. "प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व" - जिन मंदिरों में दलित पुजारी हैं, वे अपवाद हैं, न कि सामान्य सामाजिक परिदृश्य।

4. संस्थागत प्रतिरोध - कई धार्मिक निकाय खुद को परंपरा के नाम पर इन बदलावों के विरुद्ध रखते हैं।

भविष्य की संभावनाए- एक समतामूलक धार्मिक व्यवस्था

प्रगति के रास्ते-

सरकारी नीति- सभी धार्मिक न्यासों और मंदिर प्रबंधन संस्थाओं में समान अवसर और आरक्षण की व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

शिक्षा और प्रशिक्षण- दलित समुदाय के युवाओं को वैदिक, पौराणिक और धर्मशास्त्रीय प्रशिक्षण के लिए विशेष संस्थान खोलने चाहिए।

शायद धार्मिक ग्रंथों की पुनर्व्याख्या- परंपरा के नाम पर चली आ रही जातीय पवित्रता की अवधारणा को चुनौती देने की आवश्यकता है।

सामाजिक जागरूकता अभियान- मीडिया, साहित्य, सिनेमा और शिक्षा के माध्यम से दलित पुजारियों की स्वीकार्यता को बढ़ावा देना होगा।

महिला दलित पुजारियों को विशेष सम्मान- केंद्रपाड़ा जैसी मिसालें देश भर में दोहराई जानी चाहिए।

निष्कर्षता- इस लेख को लिखना मेरा किसी की आस्था एवं हृदय को आहत करना नहीं है बल्कि सामाजिक समरता लाने का प्रयास है।

मंदिर और मठ किसी भी समाज के आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक नेतृत्व के भी केंद्र होते हैं। यदि इन संस्थाओं में आज भी जातिगत भेदभाव कायम है, तो यह संविधान की आत्मा - "समानता" - के साथ अन्याय है। हालांकि कुछ ठोस कदम उठाए गए हैं, पर वे केवल "प्रतीकात्मक" हैं।

आवश्यकता है कि मंदिरों और मठों की व्यवस्था में "संस्थागत, नीति-आधारित और मानसिक बदलाव" लाया जाए, ताकि एक दिन हर व्यक्ति - चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग से हो "भगवान के सबसे करीब खड़ा हो सके", और समाज उस ईश्वर से बड़ा न बने। यह विषय केवल धार्मिक नहीं, "गंभीर सामाजिक और सांस्कृतिक विमर्श* का विषय है।

यदि यह परिवर्तन होता है, तो यह भारतीय समाज के लिए एक नई क्रांति जैसा होगा एक धार्मिक समता की क्रांति लाएगा।

शिवम यादव "अंतापुरिया"

मुसलमानो! मेरा कहा मानो हिंसा से दूर रहो

वक्फ बोर्ड संशोधन क़ानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद से लेकर देश के अनेक हिस्सों से जो प्रतिक्रियाएं आ रहीं हैं वे चिंताजनक है। क़ानून का विरोध कर रहे देश वासियों के लिए ये परीक्षा का समय है, ख़ास तौर पर उन अल्पसंख्यक मुसलमानों के लिए जो इस क़ानून से प्रभावित होने वाले हैं। इसलिए अब ये उनकी जिम्मेदारी है कि वे देश में अराजकता पैदा न होने दें,क्योंकि यदि अराजकता पैदा होती है तो सत्ताप्रतिष्ठां का लक्ष्य साधना और आसान हो जाता है। नए वक्फ कानून के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आव्हान पर शुक्रवार से देशभर में 'वक्फ बचाव अभियान' शुरू कियागया है। इसके चलते देशभर में मुसलमान सड़कों पर उतर आए हैं। सबसे ज्यादा भीड़ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सड़कों पार आयी और अप्रत्याशित रूप से प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने बसें जलाई, पथराव किया। हिंसा में 3 लोगों की गोली लगने से मौत भी हुई है। हालात काबू में करने के लिए सीसुब को तैनात किया गया है। मुर्शिदाबाद की हिंसा का कोई भी समर्थन नहीं कर सकता। आंदोलनकारियों को समझ लेना चाहिए कि हिंसा के जरिये वे कुछ भी हासिल नहीं कर सकते। यदि उन्हें कुछ हासिल करना है तो विरोध के लिए गांधी वाला रास्ता अपनाना होगा। विरोध के लिए सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा से बड़ा कोई दूसरा हथियार दुनिया में नहीं है।

बंगाल के मुसलमान हिंदुस्तान के दूसरे इलाकों के मुसलमानों से अलग नहीं हैं। फिर बंगाल सरकार नए कानून को लागू न करने की बात भी कर चुकी है। ऐसे में ऑल इंडिया मुस्लिम परसनल ला बोर्ड को चाहिए कि वो अपने आव्हान में इस बात की साफ़ ताकीद करें कि किसी भी तरह की हिंसा किसी भी आंदोलन में नहीं होगी। दरअसल ये नया क़ानून बनाया इसीलिए गया है कि अल्पसंख्यक समाज हिंसक हो और इसी बिना पर उन्हें देशद्रोही करार देकर हिन्दू ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को और तेज किया जा सके। देश के मुसलमानों को अपने आंदोलन के जरिये जहाँ एक और क़ानून का विरोध करना चाहिए और दूसरी और ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को भी शिथिल करना चाहिए। ये आसान काम है। इसे किया जा सकता है।

किसी भी क़ानून के विरोध के लिए हिंसा का रास्ता उचित हो ही नहीं सकत। देश के अल्पसंख्यक मुसलमानों को देश के किसानों से प्रेरणा लेना चाहिए जिन्होंने अपनी किसान बिरादरी के 700 से ज्यादा लोगो की कुर्बानी देकर इसी सरकार को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया था। सरकार ने एक क्या तीन क़ानून वापस लिए थे। मुसलमान भी सत्याग्रह करें। उन्हें तो वैसे भी एक महीने के रोजे रखने का अभ्यास है। यदि उन्हें लगता है कि नया क़ानून उनके हितों के खिलाफ है तो वे अनशन करें, कानूनी लड़ाई लड़ें,जन जागृति करें। पूरे देश से अपने लिए समर्थन और संरक्षण मांगें। देश के मुसलमानों को क्या नहीं पता कि देश के बहुसंख्यक समाज ने संसद में उनके साथ खड़े होकर इस क़ानून का विरोध किया है। हिंसा से तो इस क़ानून के खिलाफ उन तमाम गैर मुसलमान सांसदों का विरोध भी जाया हो जाएगा जिन्होंने समरसता के लिए अपने-अपने समाज की नाराजगी मोल ली है।

आपको बता दें कि भुस में आग लगाने की गलती हमारी सरकार ने की है और अब हमारी सरकार जमालो की तरह एक तरफ खड़ी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के 'वक्फ बचाव अभियान' का पहला चरण 07 जुलाई तक यानि कुल 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे। जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी को भेजे जाएंगे।

इसके बाद अगले चरण की रणनीति तय की जाएगी। इस क़ानून के खिलाफ मानव श्रृंखला बनाने, पत्रकार वार्ताएं करने के तरीके का समर्थन किया जा सकता है किन्तु हिंसा का नहीं। बहुत जरूरी है कि मुस्लिम समाज अपने भीतर से कोई गांधी,कोई जेपी पैदा करे। कसाब या तहव्वुर राणा नहीं। कसाब या तहव्वुर राणा को आखिर हिंसा के रास्ते से क्या मिला? मुसलमानों को क्या मिला ,सिवाय तोहमत के,सिवाय हिकारत के!

देश में किसानों की संख्या यदि 10 करोड़ है तो मुसलमानों की संख्या 20 करोड़ है। वे गांधी के बताये रास्ते पर चलकर सब कुछ हासिल कर सकते हैं ,लेकिन हिंसा के रास्ते पर चलकर उन्हें कुछ भी हासिल नहीं होने वाला। हिंसा किसी भी समस्या का हल है ही नहीं। आज दुनिया में चौतरफा हिंसा का तांडव है लेकिन मनुष्यता को इससे क्या हासिल हो रहा है? मैं और मेरे जैसे तमाम असंख्य लोग देश में हिन्दू-मुसलमान की राजनीति के खिलाफ खड़े रहे हैं, हमने साम्प्रदायिकता का विरोध कर अपने ऊपर शहरी नक्सली,कलम के नक्सली ,काफिर ,देशद्रोही जैसे तमाम ठप्पे लगवाए हैं किन्तु यदि मुसलमान हिंसा का रास्ता अख्तियार करते हैं तो ये हमारी लड़ाई को भी कमजोर करने की कोशिश मानी जाएगी। हम अपनी चुनी सरकार के खिलाफ नहीं है। हमें सरकार के फैसलों से यदि इत्तफाक नहीं है तो हम उसका विरोध कर सकते हैं ,लेकिन गांधीवादी तरीके से।

यदि अल्पसंख्यक मुसलमान हिंसा करेंगे तो उन्हें सरकार की और से प्रतिहिंसा के लिए भी तैयार रहना चाहिए। सरकार के लिए किसी भी हिंसा का दमन करने के लिए प्रतिहिंसा करना बेहद आसान है। सरकार के पास हिंसा का दमन करने के लिए पुलिस है, अर्द्धसैन्य बल हैं और अंत में सेना भी है। अब ये तय अल्पसंख्यक आंदोलनकारियों और मुस्लिम परसनंल ला बोर्ड को तय करना है कि उसे कौन सा रास्ता पसंद है? दुनिया में कोई भी जंग हिंसा के रास्ते से नहीं जीती गयी और यदि जीती भी गयी तो वो जीत कभी मुक़म्मिल जीत नहीं मानी गयी। अल्पसंख्यक समाज को समझना चाहिए कि वे एक धर्मनिरपेक्ष और संप्रभु देश के नागरिक हैं, भले ही आज की सरकार उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार कार रही है किन्तु ये एक अस्थाई घटना है। इससे विक्षुब्ध होने की जरूरत नहीं है। कोईभी दल कोई भी विचारधारा हमेशा के लिए सत्तारूढ़ नहीं होती। निजाम के बदलते ही हालात भी बदलते हैं। इस बदलाव का इन्तजार भी करना चाहिए।

मुझे उम्मीद है कि मुस्लिम नेता,शिक्षाविद और राजनीतिक दल वक्फ बोर्ड क़ानून के खिलाफ हो रहे किसीभी आंदोलन को किसीभी सूरत में हिंसक नहीं होने देंगे। उनके आंदोलन की कामयाबी तभी सुनिश्चित की जा सकती है जबकि देश में अब दूसरा मुर्शिदाबाद काण्ड नहीं होने की गारंटी दी जाये। आप सब जानते हैं कि बबूल का पेड़ बोने से आम हासिल नहीं हो सकते।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

क्षत्रिय विचार मंच की बैठक हुई संपन्न

माल,लखनऊ। राजधानी लखनऊ के माल ब्लाक स्थित आम मंडी परिसर में क्षत्रिय विचार मंच की बैठक संपन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से राजप्रताप सिंह को संरक्षक मनोनीत किया गया। जिसे मंच पर बैठे समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधियों व दर्जनों की संख्या में उपस्थित क्षत्रिय समाज के सदस्यों ने हर्षध्वनि के साथ स्वीकार किया। तत्पश्चात राजप्रताप सिंह के संरक्षक पद की घोषणा के बाद वहां पर मौजूद लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं। राज प्रताप सिंह ने कहा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, अब वे समाज को सही दिशा में आगे ले जाएंगे।

बच्चों को बाग से बंदर भागना पड़ा महंगा,पीड़िता ने लगाई पुलिस से न्याय की फरियाद

बेनीगंज (हरदोई)- बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी कल्याणमल के अंतर्गत निवासिनी गढ़ी नेवादा की सीमा पत्नी केशव पासी ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि मेरे दो बच्चे बाग बचा रहे थे तभी बाग में बंदर आ गए बंदरों को बच्चों ने भगाया इससे नाराज गांव के ही शिबू पुत्र कल्लू, अभिषेक पुत्र रामेंद्र वैश्य, रिशु पुत्र मुन्ना, पुल्लू पुत्र राज नारायण बंदर भगाने से नाराज होकर मेरे बच्चों को मारा पीटा जब मैं घर पर उलाहना देने गई तो नाराज होकर उपरोक्त लोग रात 9:30 बजे मेरे घर पर कई साथियों के साथ आकर गाली गलौज मार देने की धमकी देते हुए काफी हुड़दंग मचाया और दरवाजे पर रखी परचून के खोखे दुकान में आग लगा दी। दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया हैद्य उपरोक्त मामले पर प्रभारी में बताया जांच करके विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने थाना रामचन्द्र मिशन का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिया निर्देश

शाहजहाँपुर। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी शाहजहाँपुर ने थाना रामचन्द्र मिशन का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सबसे पहले कार्यालय में अपराध रजिस्टर जांचा तथा थाना प्रभारी से दर्ज मामलें व सम्बन्धित मामलों में कृत कार्यवाही के बारें में जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने अपराध संबंधी अन्य अभिलेख आदि जांचनें के साथ ही सभी कागजात पूर्ण व व्यवस्थित ढंग से रखे है या नहीं तथा थाना परिसर स्थित कंम्प्यूटर कक्ष, मुंशी कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, हवालात,मैस आदि का निरीक्षण कर थाने में साफ-सफाई हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।निरीक्षण के दौरान दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देशदिया थाने पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया ।थाने की साफ सफाई, माल मुकदमाती व लावारिस वाहनों का रखरखाव सही ढगं से करने हेतु बताया गया ।रजिस्टर संख्या 04 व अन्य रजिस्टरो को अद्यावधिक करने हेतु बताया गया। हवालात की साफ सफाई व स्वच्छता रखने हेतु बताया गया। महिला संबंधित अपराधों का शीघ्र निस्तारण करने हेतु बताया गया। शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश भी दिये गये। थाने के अन्दर व बाहर लगें सीसीटीवी कैमरों को चेक किया गया। न्यायालय से जुडें मामलों के त्वरित निष्पादन करने, अन्य मामलों में शीघ्र गिरफ्तारी तथा शराब माफियाओं पर नकेल कसने का भी आदेश दिया।साथ ही महिला हेल्प डेस्क पर प्राप्त शिकायतो का निस्तारण व त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।पुलिस अधीक्षक के निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना रामचन्द्र मिशन व अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें।

हनुमान जयंती के अवसर पर हनुमत धाम, शाहजहाँपुर की सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

शाहजहाँपुर। पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर ने हनुमान जयंती के अवसर पर हनुमत धाम, शाहजहाँपुर की सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया।पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर महोदय द्वारा हनुमान जयंती के अवसर पर हनुमत धाम, शाहजहाँपुर की सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा मंदिर परिसर तथा उसके आस-पास तैनात पुलिस बल की ड्यूटी चेक की गई तथा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, महिला सुरक्षा तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उपस्थित पुलिस बल को कर्तव्य के प्रति सतर्क, संवेदनशील व अनुशासित रहने हेतु प्रेरित किया एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।हनुमान जयंती के मद्देनज़र जिला पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके।

पाम संडे, मौंडी थर्सडे और गुड फ्राइडे सहित ईसाई समुदाय 20 अप्रैल 2025 को ईस्टर पर्व मनाएगा

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में ईसाई समुदाय अपने विश्वास का सबसे महत्वपूर्ण पर्व, ईस्टरङ्कप्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान का पर्वङ्कमनाने की तैयारी कर रहा है। ईस्टर में समाप्त होने वाला पवित्र सप्ताह 13 अप्रैल 2025, पाम संडे से आरंभ होगा। इस दिन प्रभु यीशु के यरूशलेम में क्रूस पर चढ़ाए जाने से पहले उनके अंतिम प्रवेश की स्मृति में ईसाई पाम या जैतून की शाखाओं के साथ जुलूस निकालेंगे। ईस्टर ट्रिडुअम (तीन पवित्र दिन), जो प्रभु के दुःख, मृत्यु और पुनरुत्थान की स्मृति में मनाया जाता है, 17 अप्रैल 2025 से मौंडी थर्सडे के साथ शुरू होगा। इस दिन शाम को पवित्र यूखरिस्ट (पवित्र मिस्सा) मनाई जाएगी, जिसके दौरान बिशप जेराल्ड जॉन मैथियास प्रभु यीशु के उदाहरण का पालन करते हुए चर्च के 12 सदस्यों के पैर धोएंगे। यह प्रेम, सेवा और विनम्रता का प्रतीक है। कैथोलिक कलीसिया इस दिन को पवित्र यूखरिस्ट और पुरोहिताई की स्थापना का दिवस भी मानती है। 18 अप्रैल 2025, गुड फाइडे को, प्रभु यीशु मसीह के सूली पर चढ़ने और उनकी मृत्यु की स्मृति में विशेष प्रार्थनाएं और अनुष्ठान होंगे। मुख्य आयोजन शाम 4:00 बजे क्रॉस का रास्ता (Way of the Cross) और प्रभु के दुःखभोग का समारोह के रूप में मनाया जाएगा ङ्क यह समय वह है जब प्रभु यीशु ने क्रूस पर प्राण त्यागे थे। पवित्र शनिवार, 19 अप्रैल 2025, मौन, प्रतीक्षा और आशा का दिन होगाङ्कवह दिन जब ईसाई समुदाय यीशु के पुनरुत्थान की प्रतीक्षा करता है। रात 10:30 बजे, ईस्टर विजिल (पास्का जागरण) का आयोजन सभी प्रमुख चर्चों में किया जाएगा, विशेष रूप से हजरतगंज स्थित सेंट जोसेफ कैथेड्रल में। 20 अप्रैल 2025, ईस्टर संडे (पास्का रविवार) को, प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान की महिमा में, शहर के विभिन्न चर्चों में पवित्र मिस्सा बलिदान (Mass) अर्पित किया जाएगा। लखनऊ के कैथोलिक बिशप, माननीय जेराल्ड जॉन मैथियास, लखनऊ के समस्त नागरिकों को ईस्टर-आशा, खुशी, प्रेम और शांति के पर्व-की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल ने निकाली भव्य शोभा यात्रा

● ....सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल, गूंजा जय श्रीराम के नारों से क्षेत्र

मलिहाबाद। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा माल क्षेत्र से प्रारंभ होकर नबीपनाह तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कार्यकर्ता शामिल हुए। शोभा यात्रा में शामिल कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम, बजरंगबली की जय जैसे नारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे मार्ग को भगवा झंडों और पुष्पों से सजाया गया था, जबकि डीजे की धुनों पर बजते भक्ति गीतों ने माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। शोभा यात्रा के दौरान जगह-जगह कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न हुई।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव का यह आयोजन सनातन संस्कृति और एकता का प्रतीक है। यह यात्रा समाज को धर्म और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष पवन साहू, वरिष्ठ कार्यकर्ता उज्ज्वल सिंह, आकाश रावत, मोहित तिवारी, शुभम गुप्ता, राजन रावत, आकाश जोशी, जुगल किशोर तिवारी एवं ब्लॉक महामंत्री सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल विश्व गायत्री परिवार की नवम कुंडली महायज्ञ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई, हरियावाँ,अखिल विश्व गायत्री परिवार की शाखा सोमई में नवम कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं पावन प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन दिनांक12 अप्रैल से 15 अप्रैल के मध्य होने जा रहा है। जिसकी कलश यात्रा आज प्रातः 9ः00 बजे से निकाली जानी थी। किंतु आंधी पानी तूफान के कारण काफी बड़ी कठिनाईपैदा हुई ।फील्ड में पानी भर गया जिसके कारण जिस स्थान से कलश यात्रा निकालनी थी वहां की अपेक्षा कन्या विद्यालय सुम ई के बाहर प्रांगण से कलश यात्रा विषम परिस्थितियों में निकाली गई।

इसमें ग्राम सुमईबसोहा आदि गांवों की महिलाओं पुरुषों ने भारी संख्या में भाग लिया यह कलश यात्रा कन्या प्राइमरी विद्यालय सुमईके प्रांगण से निकल कर भ्रमण करते हुए गोड़ा खेड़ा मारयी वासी होते हुए पुनः कन्या प्राइमरी विद्यालय सुमईपर पहुंची। इस कलश यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया जलपान की व्यवस्था बनाई गई सभी महिलाएं पीत वस्त्र धारण किए हुए पंक्तिबद्ध होकर हम सुधरेंगे युग सुधरे गा हम बदलेंगे युग बदलेगा जैसी करनी वैसा फल आज नहीं तो निश्चय कल गायत्री माता की जय शांतिकुंज हरिद्वार की जय आदि जय घोष लगाते चल रहे थे कलसो का मुख्य पूजन रणवी ने सिपतनीक किया इस कार्यक्रम में नगर हरदोई के परिजन पाठ कुआं आदि शाखों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया साइन काल की बेला 6:00 बजे से पावन प्रज्ञा पुराण की कथा का कार्यक्रम रहेगा प्रत्येक दिन प्रात 8:00 बजे यज्ञ होगा और कल की बेला में प्रज्ञा पुराण कथा होगी 15 अप्रैल को कार्यक्रमका समापन दोपहर 12: बजे होगा इसमें यज्ञ की पूरण आहुति की जाएगी तथा इसी मंच से टोली की विदाई दी जाए।

पीडीए जन पंचायत को सम्बोधित करते हुए राम ज्ञान गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई सवायजपुर विधानसभा के गांव बम्हाटापुर में पीडीए जन पंचायत को सम्बोधित करते समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर बूथ स्तर तक पीडीए पंचायत का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ अनवरत जारी रहेगा।

रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। हर जिले महिलाओं, बहन, बेटियों के साथ अपराध की घटनाएं हो रही है। महिलाएं असुरक्षित है। भाजपा सरकार झूठी है। कानून व्यवस्था और अपराध पर जीरो टॉलरेंस का दावा झूठा है। बीएचयू में एक बेटी पढ़ती थी, उसके साथ बलात्कार की घटना हुई। उस घटना में शामिल सब लोग भाजपा के थे। भाजपा सरकार हर तरह से फेल हो गयी है। भाजपा का रास्ता नफरत भरा है। भाजपा सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए महंगाई, बेरोजगारी, ध्वस्त कानून व्यवस्था, बिजली जैसी बुनियादी मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए ऐसे फैसले लेती है जिससे लोगों का ध्यान बांटा जाए।

रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार में हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। गरीबों के साथ अन्याय हो रहा है। सरकार में बैठे लोग संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रहे है। जाति-धर्म और पार्टी के देखकर उनके साथ भेदभाव करते है। विपक्ष को दबाने के लिए साजिश किया जा रहा है। विपक्षी दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे लगाए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। संविधान हम सबके अधिकारों का रक्षक है। हम सबकी ढाल है। भाजपा सरकार संविधान विरोधी कार्य कर रही है। बाबा साहब के संविधान को कमजोर कर रही है। रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान, नौजवान, व्यापारी सब परेशान हैं। इस सरकार ने जीएसटी लाकर महंगाई बढ़ा दी। व्यापार और कारोबार को बर्बाद कर दिया। पीडीए से भाजपा घबराई हुई है भाजपा सरकार की साख लगातार गिर रही है। जनता का हर वर्ग परेशान है जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करने के लिए संकल्पित है।

इस मौके पर मुख्य रूप से सपा नेता अवनीश यादव, रणधीर कुशवाहा, धर्मेंद्र यादव दीपू, सीताराम राजवंशी, श्रीपाल कुशवाहा, राजीव यादव गुड्डू, राम लखन कुशवाहा, रामप्रसाद राजवंशी, राम लखन राजवंशी, रामवीर कुशवाह, मोतीलाल कुशवाहा, राजपाल कुशवाहा, राजकुमार राजवंशी, हरिराम पाल, हरिशंकर पाल, आदि लोग मौजूद रहे।

पीएम किसान योजना देश के कृषि क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी घटना है- अशोक रावत

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई गांव चलो अभियान के अंतर्गत मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने ग्राम पंचायत मल्हेरा में जनसंपर्क किया। अशोक रावत ने संबोधित करते हुए लोगों से कहा विगत सरकारों को मूल उद्देश्य जहाँ किसानों को छोटे मोटे लाभ पर आश्रित रखकर देश की उन्नति को नजरअंदाज करना था. वहीं पीएम किसान योजना देश के कृषि क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी घटना है। ऋग्वेद के इसी मंत्र को अंगीकृत करते हुए, सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए मोदी जी ने नए सहकारिता मंत्रालय की नींव रखी। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जहाँ किसान किसी न किसी सहकारी समिति के सदस्य है। इसमें सहकारिता की भूमिका को 2014 तक नजरअंदाज किया जाता रहा, यह देश का दुर्भाग्य है। 2024 में स्थापित तीन मल्टी स्टेट सहकारी समितियों ने निर्यात, आर्गेनिक उत्पाद तथा गुणक्तापूर्ण बीजों के उत्पादन के क्षेत्र में कार्य करना शुरु कर दिया है, और किसानों के उत्पाद को उसका उचित मूल्य मिल रहा है क्योंकि अब उनके लिए वैश्विक दरवाजे खुल चुके हैं। इसीलिये वर्ष 2025 अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष है।

इन सब चर्चाओं के अलावा दिव्यांग एथलीटों (पैरालंपियन) को उनका उचित सम्मान दिलाना, ओलम्पिक में भारत के एथलीटों को प्रोत्साहन देना, फिट इण्डिया मूवमेंट के माध्यम से स्वस्थ भारत की संकल्पना को साकार करने का प्रयास करना, मन की बात के माध्यम से जनमानस से प्रति सप्ताह जुडने का प्रयास कुछ ऐसे कदम है, जिनसे सरकार के भारत के सभी नगरिकों का प्रति सहज सम्मान का भाव जागृत हो जाता है। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते समय प्रधानमंत्री को बिना राग द्वेष तथा पक्षपात के कार्य करने की शपथ दिलाई जाती है, देश के जनमानस में आज झलकता संतुष्टि का भाव यह पुष्टि करता है, मोदी जी ने अपने कर्तव्यों का बिना राग द्वेष तथा पक्षपात के तथा शुद्ध अन्तः करण के साथ पालन किया है। इतिहास के पन्नों में वर्ष 2014 का उल्लेख परिवर्तनकारी सोपान के रूप में किया जाएगा जब भारतवर्ष विकसित देश बनने के साथ ही वैश्विक धरातल पर एक महाशक्ति बनते हुए अपनी सांस्कृतिक चेतना का प्रसार समस्त विश्व में करने की दिशा में अग्रसर हुआ।

जनसंपर्क के दौरान सांसद के साथ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ओम प्रकाश गुप्ता जी, प्रधान मल्हेरा बुद्धालाल, कुंवर सत्येन्द्र सिंह सीटू भैया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री पाल, गुड्डू सिंह, बी. डी. सी. गुरु प्रसाद, फूल चंद्र सक्सेना, मिश्री लाल, हरिमोहन आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक,मौत शुभम उर्फ गोलू के नाम से युवक की हुई पहचान

स्वतंत्र प्रभात

बेनीगंज (हरदोई)- बेनीगंज कोतवाली प्रताप नगर चौकी क्षेत्र के अंतर्गत हरदोई सीतापुर मार्ग स्थिति नयागांव घरेहरा पुल के पास किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से शुभम उर्फ गोलू खून से लटपट घायल अवस्था में पुलिस को पड़ा मिला द्य सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी सहित प्रताप नगर चौकी प्रभारी गोपाल मणि मिश्रा ने एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोथावा भिजवाया जहां चिकित्सकों ने शुभम को मृत घोषित कर दिया द्य परिजनों के मुताबिक मृतक शुभम घर से नयागांव बाजार मोटरसाइकिल से अपने साथी टिंकू के साथ निकाला था बाजार से वापस आते समय किसी अज्ञात वाहन की लाइट की रोशनी की चमक से पास में लगे ठेले से टकराकर गिर गया वहीं अज्ञात की वहां की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 18 से 19 साल के बीच बताई जा रही है चौकी प्रभारी प्रताप नगर ने बताया यह एक्सीडेंट किसी अज्ञात वाहन से हुआ है शव की शिनाख्त शुभम उर्फ गोलू निवासी अल्हालादपुर के रूप में हुई है। एक्सीडेंट मामले की पुलिस जांच कर रही है वहीं कोतवाली प्रभारी कृष्ण बली सिंह ने कहा है शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है जांच की जा रही है आगे जो तत्व सामने आएंगे उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शीत ऋतु की तर्ज पर हीट वेव से बचने के लिए जनपद कानपुर में बनाए जाएंगे कोल्ड शेल्टर होम

● कोल्ड शेल्टर होम में ठंडा पानी, पंखा, कूलर,बैठने की व्यवस्था, आर0ओ0,यथा ए0सी0 की रहेगी व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। जिलाधिकारी श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हिट वेव के दौरान जनपद कानपुर नगर में हिट वेव से बचने के लिए, शीतऋतु में बनाए जाने वाले शेल्टर होम्स की तर्ज पर जनपद कानपुर नगर में कोल्ड शेल्टर होम बनाया जाने एवं मुख्य चौराहों, व्यस्ततम बजारों रेलवे स्टेशन, बस अड्डों इत्यादि स्थानों पर ट्रैफिक बाधित लिए बिना उपयुक्त स्थानों पर पेय जल हेतु वाटर कूलर, शेड एवं बैठने की पर्याप्त व्यवस्था किए जाने के संबंध में विभिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों, एन0जी0ओ0 तथा व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों औधोगिक संगठनों से अपील करते हुए कहा कि गर्मियों के मौसम में आम जन मानस को तत्काल हिट-वेव से राहत पहुंचाने हेतु जनपद कानपुर नगर के मुख्य चौराहों बाजारों इत्यादि स्थानों पर जन सहयोग से जगह जगह पर वॉटर कूलर, पौशाला एवं अस्थाई कोल्ड शेल्टर होम बनाए जाने की अपेक्षा की गई, जिसके माध्यम से तत्काल हिट वेव से प्रभावित होने वाली व्यक्तिओं को तत्काल राहत मिल सकेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त संगठनों, एन0जी0ओ0 तथा व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों से कहा कि जनपद में किसी भी चौराहे, बस अड्डे इत्यादि अन्य स्थानों पर ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुए किए बिना आवश्यकतानुसार क्षेत्र में वॉटर कूलर, गौशाला तथा कोल्ड शेल्टर होम बनाया जाने हेतु उपयुक्त स्थान का चयन करते हुए अपर नगर आयुक्त, नगर निगम एवं अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व को तत्काल अवगत कराए ताकि उनके द्वारा तत्काल परमिशन दी जा सकें। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त सिविल सोसाइटी संगठनों, एन0जी0ओ0 तथा व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में हिट वेव से बचाव हेतु बेहतर कार्य करने वाले 05 संगठनों एवं 0 5 व्यक्तियों को आगामी 21 जून को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

अतिक्रमण के प्रति जागरूक हो व्यापारी वर्ग- ब्रजेश कुमार राय

● उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन ने कोतवाल का किया अभिनंदन

स्वतंत्र प्रभात

शाहाबाद(हरदोई)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के पदाधिकारियों ने कोतवाल बृजेश कुमार राय की तेजतर्रारी और कर्तव्यनिष्ठता से प्रभावित होकर उनका स्वागत और अभिनंदन किया और व्यापारियों ने राधा कृष्ण जी का चित्र देकर उन्हें सम्मानित किया।कोतवाल ने व्यापारी नेताओं से एक घंटे की बैठक करके उनकी समस्याएं सुनकर समाधान भी सुझाए।कोतवाल श्री राय ने कहा कि दूसरों की आलोचना से पहले खुद में भी सुधार जरूरी है।उन्होंने अतिक्रमण के प्रति व्यापारियों को जागरूक करते हुए अपने दुकानों की सामग्री को दुकान के अंदर ही सजाने को कहा।क्योंकि दुकानों के बाहर सामग्री लगाने से अक्सर जाम की स्थित पैदा हो जाती है।दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर सीसी टीवी कैमरा अवश्य लगवाने की सलाह दी।और अपने आसपास की किसी भी प्रकार की घटना की तुरंत जानकारी पुलिस को देने को कहा। कोतवाल बृजेश कुमार राय ने कहा कि उनकी मंशा रहती है कि पीड़ित को उचित न्याय अवश्य मिले।उन्होंने कहा कि दोषी को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। नगर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की है। व्यापारी वर्ग के पदाधिकारियों ने कोतवाल के निष्पक्ष और सख्त कार्यशैली की सराहना करते हुए व्यापारियों द्वारा हर संभव सहयोग की बात कही और आशा व्यक्त की, कि उनके कार्यकाल में कानून व्यवस्था दुरुस्त रहेगी।इस मौके पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राणा, उपाध्यक्ष नीरज नरूला, मंत्री दिनेश बर्मा, सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश रस्तोगी, अनूप राठौर, राकेश राठौर, विशाल गुप्ता, राजीव गुप्ता, संगठन मन्त्री राजन राठौर आदि मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में बाइक सवार बदमाशों ने स्वर्ण व्यावसायी प्रभंजन वर्मा की गोली मारकर हत्या कर जेवरात से भरा बैग लेकर हुए फरार

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले में बाइक सवार बदमाशों ने स्वर्ण व्यावसायी प्रभंजन वर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी। स्वर्ण व्यावसायी गोल्हौरा चौराहे से दुकान बंद कर घर जा रहा था। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के रामटिकरा गांव के पास शुक्रवार रात दुकान बंद करके घर जा रहे स्वर्ण व्यावसायी पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से उसकी मौत हो गई। बदमाश जेवरात से भरा बैग लेकर मौके से फरार हो गए। हत्या की जानकारी के बाद मौके पर कई थानों की पुलिस पहुंच गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं, हमलावरों को पकड़ने के लिए एसपी ने पुलिस की कई टीमें लगा दी हैं। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के ग्राम रामटिकरा निवासी प्रभंजन वर्मा (23) पुत्र अनिल वर्मा व आशीष (26) पुत्र अनिल वर्मा दो भाई गोल्हौरा थाने के सामने सोने-चांदी के जेवरात की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार शाम लगभग सात बजे दोनों भाई दुकान बंद कर बाइक से घर रामटिकरा जा रहे थे। अभी वे गांव के उत्तर पिच मार्ग से पूरब रास्ते पर मुड़े ही थे, तभी बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने बाइक पर पीछे बैठ प्रभंजन पर ताबड़तोड़ चार गोलियां दाग दीं।

बताया जा रहा है कि तीन गोली प्रभंजन वर्मा को लगीं। बाइक चला रहा भाई आशीष कुछ समझ पाता इससे पहले उसकी बाइक की डिग्गी तोड़कर लुटेरे ले उड़े। डिग्गी में जेवरात रखे थे। घटना में गोली लगने से घायल उक्त प्रभंजन को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई आशीष के अनुसार चार अज्ञात लुटेरों ने हमला बोल दिया और भाई को गोली मार दी। फिलहाल घटनास्थल से पुलिस ने 32 बोर के दो खोखा बरामद किए हैं और जांच में जुटी हुई है। व्यवसायी की मौत से उसके स्वजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। थानाध्यक्ष बृजेश सिंह ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। शीघ्र ही खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल पर पहुंच गए। घटना के बारे में जानकारी ली। जिले में एक सप्ताह भी नहीं हुआ होगा कि यह स्वर्ण व्यावसायी के साथ दूसरी घटना है।

योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भय मुक्त अपराध मुक्त माफिया मुक्त- मुकुल सिंह आशा

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई वार्ड गांव चलो अभियान के अंतर्गत घर-घर संपर्क अभियान में आज हरदोई नगर मंडल के वार्ड संख्या 5 के बूथ संख्या 252, 253 पर भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक मुकुल सिंह आशा , प्रवासी कपिल मोहन गुप्ता, सेक्टर संयोजक सुभाष गुप्ता,बूथ अध्यक्ष हरिहरबक्स नेता ने सर्वप्रथम बूथ पर स्थित श्री राम जानकी हनुमत धाम मंदिर प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया, सभी ने मंदिर को स्वच्छ बनाया फिर बूथ पर मौजूद व्यापारियों राहगीरों व घर-घर संपर्क अभियान चलाकर माननीय योगी जी की 8 साल की सरकार की नीतियों योजनाओं से अवगत कराया।जिला सहसंयोजक मुकुल सिंह आशा ने कहा कि देश व प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने सभी वर्गों को एक साथ लेकर कार्य किया है पिछले उत्तर प्रदेश की 8 साल की सरकार ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश की राह पर अग्रसर किया है माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अगुवाई में उत्तर प्रदेश भय मुक्त अपराध मुक्त माफिया मुक्त है, महिलाएं अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रही हैं रोजगार को लेकर विशेष प्रयास किए गए सरकारी नौकरियों की भर्ती ईमानदारी से कराई गई भ्रष्टाचारियों पर पूरी तरीके से लगाम लगाई गई आप सभी एक होकर 2027 में पुन उत्तर प्रदेश में माननीय योगी जी की सरकार बनाएं, इस मौके पर उमाकांत गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, रूपेंद्र सिंह, दिवाकर दीक्षित, नरेश सक्सेना, अनिल कुमार, पुतान सक्सेना, अजय गुप्ता, सुनील सैनी, अमर जीत गुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा स्थापना दिवस की साप्ताहिक पखवाड़ा के अवसर पर मंडल सिंहपुर में किया गया स्वक्षता ही सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम

विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी, भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर शहडोल जिले के मंडल सिंहपुर में भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश कुशवाहा जी के साथ पूरे भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसके उपलक्ष्य में केंद्रीय नेतृत्व में माननीय जिला अध्यक्ष श्रीमति अमिता चपरा जी के निर्देशानुसार मण्डल सिंहपुर में मण्डल अंतर्गत मां कंकाली मंदिर माता प्रांगण में स्वक्षता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य रूप मण्डल अध्यक्ष सिंहपुर राकेश कुशवाहा जी, मण्डल महामंत्री राकेश कोल जी, मण्डल उपाध्यक्ष भानु प्रताप नापित एडवोकेट, मंदिर समिति के कार्यकर्ता एवं मण्डल अंतर्गत स्थित समस्त कार्यकर्ता बंधुओं के द्वारा स्वक्षता कार्यक्रम किया गया।

आंबेडकर जयंती "मनाने को

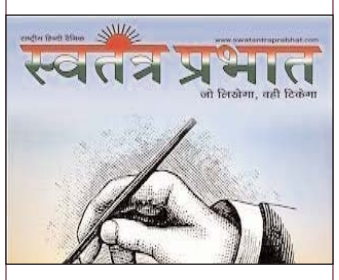

लेकर हुई बैठक"

सिद्धार्थनगर। चेतिया में 14 अप्रैल को परमपूज्य बोधिसत्व बाबा साहेब डॉशभीमराव अम्बेडकर की जयंती समारोह, झांकी एवं शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर शनिवार को भटपुरवा, चेतिया, संग्रामपुर, ठीकहा, बस्ठा, दासिया नेवरी, नवतला, बड़हरा असिधवा, सुभौली, सुकरौली, तीवर, असोगवा, उड़वलिया आदि गांवों में बैठक की गई। इस अवसर पर हरिश्चंद्र,रामकुमार शिवचरण, संतराम प्रधान, उमेश, राहुल कुमार ,राम कुमार, अशोक कुमार गौतम, एडवोकेट राजेश कुमार, जवाहरलाल श्री राम, बबलू, विष्णु प्रसाद, सुधिराम, सुभाष चंद्र, किशन लाल, शंभु गौतम, वीरेंद्र कुमार, मोतीलाल, रामविलास, मनोज कुमार, सुग्रीव प्रसाद, गगन कुमार, श्याम सुंदर, रवि कुमार,चंद्रिका प्रसाद बागेदु , गोपाल, बैजू, लखन आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने चलाया नशे के अवैध कारोबार पर चाबुक

कोसीकला पुलिस ने अन्तर्राजीय शराब तस्कर किया गिरफ्तार

मथुरा। नशा का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ मथुरा पुलिस ने कार्यवाही की है। थाना कोसीकलां पुलिस ने एक अन्तर्राजीय शराब तस्कर को अवैध देशी शराब हरियाणा मार्का मस्ताना ब्राण्ड के साथ गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक थाना कोसीकला अरविन्द कुमार निर्वाल ने बताया कि सन्तोष पुत्र नारायन सिह निवासी भातू कालौनी कस्वा व थाना कोसीकला शातिर शराब तस्कर है। ये लोग कोसीकला में कच्ची शराब बनाने भट्टियां चलाते थे। पुलिस की सख्ती के बाद इन्होंने दूसरे राज्यों में शराब की तस्करी का धंधा कर लिया। संतोष के विरूद्ध एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। अनाज मण्डी से भातू कालौनी की तरफ जाने वाले अवैध रास्ते पर थाना कोसीकलां मथुरा से अन्तर्राजीय शराब तस्कर सन्तोष निवासी भातू कालौनी कोसीकला को गिरफ्तार किया। इसके कब्जे से पुलिस ने 45 पौव्वा अवैध देशी शराब हरियाणा मार्का मस्ताना ब्राण्ड बरामद की है। अभियुक्त के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की गई है। थाना कोसीकलां पुलिस ने एक और अभियुक्त नेम सिंह पुत्र पूरन निवासी रुपनगर थाना कोसीकला को शराब तस्कर के आरोप में गिरफ्तार किया है। धानौता पैट्रोल पंम्प के पास बनी झोपडी के पास से नेम सिंह को गिरफ्तार किया गया। इसके पास से 44 पैकेट अवैध देशी शराब दोस्ताना ब्राण्ड उत्तर प्रदेश मार्का के बरामद हुए।

वहीं थाना शेरगढ पुलिस ने एक व्यक्ति को 80 पब्बा देशी हरियाणा मार्का शराब व करीब दो किलो यूरिया सहित गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना शेरगढ प्रदीप कुमार ने बताया कि दविश देकर अभियुक्त को उझानी रोड पर बनी स्व. चेतराम मुकदम धर्मशाला थाना क्षेत्र शेरगढ जनपद मथुरा से अभियुक्त दीपक पुत्र तेजपाल निवासी ग्राम राजागढी थाना कोसीकलां जनपद मथुरा को 80 पब्बा देशी हरियाणा मार्का शराब व यूरिया 1 किलो 900 ग्राम सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक

पुलिस मैदानगढ़ी और पुलिस नेब सराय1के संयुक्त प्रयास से 3200 क्वार्टर और 02 कारों की बरामदगी

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के कर्मचारियों को विशेष रूप से अपराध पर अंकुश लगाने और दक्षिण जिले के अधिकार क्षेत्र में शराब तस्करों/जुआरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का काम सौंपा गया था। तदनुसार, बीट-स्टाफ ने स्थानीय मुखबिरों को संवेदनशील बनाकर और मानव खुफिया जानकारी एकत्र करके ईमानदारी से प्रयास शुरू किए। चौतरफा अभियान के क्रम में, ऐसे हताश अपराधियों को पकड़ने के लिए नियमित रूप से रणनीतिक स्थानों पर जाल बिछाए गए पीएस मैदानगढ़ी 11 अप्रैल की मध्य रात्रि में पीपी भाटी माइंस, पीएस मैदानगढ़ी की पुलिस टीम जिसमें एसआई सौरभ अरोड़ा, एचसी हरीश चंदर, एचसी राकेश, एचसी अमित और कांस्टेबल जोगिंदर शामिल थे, इंस्पेक्टर अमित कुमार, एसएचओ/मैदानगढ़ी के नेतृत्व में अपराध की रोकथाम और पता लगाने के लिए क्षेत्र में गश्त के लिए तैनात किए गए थे। गश्त के दौरान करीब 01¬30 बजे जब टीम बांस गांव इलाके के पास पहुंची तो देखा कि एक कार (टैक्सी नंबर) संदिग्ध हालत में मदर टेरेसा रोड से आ रही थी। शक होने पर चालक को रुकने का इशारा किया गया लेकिन पुलिस की मौजूदगी को भांपकर वह मौके से भागने की कोशिश करने लगा। हालांकि, सतर्क कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार को सफलतापूर्वक रोक लिया और चालक को काबू कर लिया। चेकिंग के दौरान कार से कुल 24 कार्टन बरामद किए गए जिनमें 1200 क्वार्टर शराब थी। बाद में उसकी पहचान सचिन के रूप में हुई। इस संबंध में थाना मैदान गढ़ी में एफआईआर संख्या 219/25, दिनांक- 11/04/25, यू/एस 33/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मध्य रात्रि में थाना नेब सराय की पुलिस टीम जिसमें एसआई विवेक, एसआई रोहिताश, एचसी राजपाल, एचसी मलकीत और कांस्टेबल सुनील शामिल थे, इंस्पेक्टर राकेश कुमार, एसएचओ/नेब सराय के नेतृत्व में अपराध की रोकथाम और पता लगाने के लिए क्षेत्र में गश्त के लिए तैनात थे। गश्त के दौरान लगभग 02:45 बजे जब टीम एमसीडी स्कूल के पास पहुंची,तो उन्होंने देखा कि एक कार संदिग्ध हालत में खड़ी थी। कार की जांच करने पर उसमें से 2000 क्वार्टर शराब के कुल 40 कार्टन बरामद किए गए। बाद में उसकी पहचान विशाल के रूप में हुई। इस संबंध में थाना नेब सराय में एफआईआर संख्या 181/25, दिनांक 11.04.25 यू/एस 33 दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई पूछताछ के बादसचिन पुत्र जयदेव निवासी गांव अनगपुर, थाना सूरज कुंड, जिला फरीदाबाद तथा विशाल पुत्र राम कुमार निवासी एल-1 संगम विहार, को गिरफ्तार कर लिया गया।

श्रीभूमि जिले के पंचायत चुनाव में दरगारबंद जीपी के पंचायत सदस्य पद पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में कमलाकांत यादव

● निर्दली उम्मीदवार कमलाकांत यादव और भाजपाउम्मीदवार सुरेंद्र सिन्हा दोनों उम्मीदवारों के बीच जीत के लिए कांटे की टक्कर।

स्वतंत्र प्रभात

असम सहित श्रीभूमि जिले में पंचायत चुनाव शुरू होने के कारण निर्दलीय उम्मीदवार कमलाकांत यादव मैदान में उतर चुके हैं। रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में इस बार के पंचायत चुनाव में दरगारबंद जीपी के क्षेत्रीय पंचायत सदस्य पद पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में कमलाकांत यादव खड़े हैं। श्रीभूमि जिला तथा रामकृष्णनगर समष्टि में गत 11 अप्रील (शुक्रवार) को दरगाबंद जीपी के क्षेत्रीय पंचायत सदस्य पद के निर्दलीय उम्मीदवार कमलाकांत यादव ने दुल्लभछड़ा विकास खंड कार्यालय जाकर बीडीओ के पास मनोनयन दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि वह पिछले तीन दशकों से आरएसएस के स्वयंसेवक के रूप में काम कर रहे हैं, बाद में विश्व हिंदू परिषद के दुल्लभछड़ा प्रखंड के सह-प्रधान के रूप में कार्य किया है। बीच में एक साल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष भी रहे। विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा में कविता की किताब लिखकर असम सरकार द्वारा ÷भाषा गौरव आंचली÷ परियोजना के तहत कवि के रूप में असम के तत्कालीन लोकप्रिय मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल और सम्माननीय मंत्री (वर्तमान मुख्यमंत्री) हिमंत विश्व शर्मा महोदय की उपस्थिति में पचास हजार रुपये और सरकारी प्रशंसा पत्र दिया गया। यह दिन 2021 के 1 फरवरी का था, स्थान शंकरदेव कलाक्षेत्र गुवाहाटी में। इसके अलावा उन्होंने बहुत सारे छोटे बड़े साहित्यिक पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं। शिक्षक के रूप में उनका अच्छा नाम था। स्थानीय सीवीपी हाईस्कूल में लगभग ढाई दशक तक प्रतिष्ठा के साथ शिक्षकता की। वर्तमान में वे समाज सेवा में व्यस्त हैं। चंद्रगीति संस्था के साथ शिलचर रेडियो केंद्र में कई सालों तक बांसुरी बजाई। संगीत समारोह में लगभग बीस साल गायक और निर्देशक के रूप में कुशलता से कार्य किया। उनके जीवन में अब तक कोई काला दाग नहीं पड़ा। क्षेत्र के जनसामान्य उनका निस्वार्थ समर्थन करते हैं। आसन्न पंचायत चुनाव में उक्त जीपी के एपी सदस्य लोकप्रिय पद के प्रत्याशी के रूप में लोगों में चर्चा है और पिछले कुछ दिनों से जीपी के हर घर जाकर आम लोगों की समस्याओं के बारे में विचार कर रहे हैं कि अगर वह जीतते हैं तो समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने बताया कि सभी मुझे सेवाओं के लिए अच्छा सम्मान दे रहे हैं, भगवान और जनता का आशीर्वाद मेरे साथ रहेगा और जीत निश्चित रूप से होगी, ऐसी आशा व्यक्त की। इस बीच, पंचायत चुनाव में दरगारबंद जीपी के क्षेत्रीय पंचायत सदस्य पद पर निर्दली उम्मीदवार कमलाकांत यादव और भाजपा उम्मीदवार सुरेंद्र सिन्हा दोनों उम्मीदवारों के बीच जीत के लिए कांटे की टक्कर देखने को मिलेगा। अब केवल जनता के ऊपर यह है कि वे किसे जीताएंगे, यह देखना है।

पंचायत चुनाव में दुल्लभछड़ा जिला परिषद सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मृत्युंजय नाथ का नामांकन दाखिल

● श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा जिला परिषद की सीट पर तीव्र प्रतियोगिता के तहत निर्दलीय और BJP प्रत्याशी के बीच तगड़ी लड़ाई।

स्वतंत्र प्रभात

असम सहित श्रीभूमि जिले में पंचायत चुनाव शुरू होने के कारण विभिन्न दलों के राजनीतिक नेता अपने संभावित उम्मीदवारों का नामांकन दाखिल कर मैदान में उतर गए हैं। रोजाना विभिन्न दलों के उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। असम श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में इस बार का सबसे ध्यान देने योग्य विषय यह है कि पंचायत चुनाव में दुल्लभछड़ा जिला परिषद सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार श्रीभूमि जिले के प्रसिद्ध वकील मृत्युंजय नाथ ने गत 11 अप्रैल (शुक्रवार) को रामकृष्णनगर सम-जिला कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किया और दुल्लभछड़ा जिला परिषद सीट पर क्क्ष्क्क के उम्मीदवार के रूप में मैदान में प्रणव मुखर्जी ने भी गत 10 अप्रैल को नामांकन पत्र दाखिल किय। इस समय दुल्लभछड़ा जिला परिषद सीट को लेकर पंचायत चुनाव में गर्मागर्म माहौल बना हुआ है। एक ओर भाजपा उम्मीदवार प्रणब मुखर्जी हैं, दूसरी ओर निर्दलीय उम्मीदवार प्रसिद्ध वकील मृत्युंजय नाथ हैं। दूसरी ओर दुल्लभछड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के मतदाताओं को डीलिमिटेशन के बारे में गुस्सा व्यक्त करते देखा जा रहा है। डीलिमिटेशन के बाद कई लोग शायद सोच रहे थे कि राजनीतिक दृष्टिकोण से यहां से भाजपा आसानी से जीत जाएगी, लेकिन अब दिख रहा है कि कोई भी किसी को खाली मैदान में गोल नहीं दे सकता। अब तक दो उम्मीदवारों के बीच कट्टर लड़ाई होने की बात सुनी जा रही है। अब देखने की बात है कि जनदेवता की लोकप्रियता को कौन हासिल करता है और वही विजयी होगा, यही जनता किस पर जिम्मेदारी सौंपती है। नामांकन दाखिल करने के बाद श्रीभूमि जिले के प्रसिद्ध वकील निर्दलीय उम्मीदवार मृत्युंजय नाथ ने कहा कि इस बार दुल्लभछड़ा जिला परिषद के सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार बनकर मैं लोगों के साथ खड़ा हूं, जनसेवा के लक्ष्य से यदि सामान्य जनता मेरे सिर पर हाथ रखकर मतदान के माध्यम से आशीर्वाद देकर मुझे विजयी करती है, तो मैं इस क्षेत्र के अधूरे कामों को पूरा कर पाऊंगा और जनता के हित के लिए काम करता रहूंगा। जिला पंचायत चुनाव में जीतने के बाद मेरा पहला लक्ष्य होगा जिला पंचायत के तहत जितने भी कार्य हों, सभी कार्यों को जनता की राय के अनुसार वास्तविक रूप देना और पारदर्शिता के साथ काम करना। इसके अलावा, जनता के लिए निस्स्वार्थ सेवा कार्य करते रहना।

कुछ सालों से एनजीओ के माध्यम से जनकल्याण के लिए लोगों के साथ खड़ा हूं और भविष्य में सेवा का एकमात्र अवसर देने के लिए जनता से अपील करते हैं। साथ ही एनजीओ के माध्यम से जिस तरह काम किया है, सामान्य लोगों के बारे में सोचते हुए कि निरंतरता से लोगों की सेवा में लगकर विकासात्मक कार्य करना चाहता हूं। दूसरी ओर, दुल्लभछड़ा जिला पंचायत में चार ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें दरगाबंद, भेटारबंद, दुल्लभछड़ा, विद्यानगर शामिल हैं, प्रसिद्ध वकील मृत्युंजय नाथ कई दिनों से इस क्षेत्र के घर-घर जाकर सामान्य लोगों का हालचाल ले रहे हैं और उनकी समस्याओं पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी मुझे सेवाओं के लिए अच्छा प्रतिक्रिया दे रहे हैं, देखते हैं कि भगवान और जनता का आशीर्वाद हाथ में होता है, तो मैं निश्चित रूप से विजय होने की आशा व्यक्त किया। इस बीच, इस बार उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर होगी ऐसा सुनने में आ रहा है मतदाताओं से। दूसरी ओर, बंगाली, हिंदी भाषी और मेइतेई मणिपुरी को भाजपा द्वारा उम्मीदवार के रूप में पार्टी से टिकट न देने के कारण विभिन्न क्षेत्रों की गलियों में ये बातें सुनी जा रही हैं कि भाजपा की इस सोच को लेकर क्षेत्र के आम लोग नाराजगी जता रहे हैं, इस विषय पर मतदाता वर्ग में चर्चा भी जारी है। इस बार राजनीतिक हलकों के विचारधाराओं के परिणाम क्या होंगे और जनता किसे चुनकर जीत दिलाएगी, दुल्लभछड़ा जिला परिषद निर्दलीय या भाजपा उम्मीदवार, यही अब ध्यान का विषय बन गया है।

भेटारबन्द जीपी के 3 नंबर वार्ड सदस्य प्रत्याशी बिमल नाथ (अपु) ने नामांकन दाखिल किया

● आशावादी हैं कि उन्हें बहुत सारे वोटों से जीत मिलेगी।

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा विकास खंड कार्यालय में हजारों गांवों के लोगों के साथ भेटारबन्द जीपी के 3 नंबर वार्ड सदस्य प्रत्याशी बिमल नाथ (अपु) ने नामांकन दाखिल किया। दूसरी ओर, नामांकन पत्र दाखिल करने के दूसरे या अंतिम दिन भी प्रत्याशियों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। उम्मीदवारों के बीच में भीड़ देखकर ऐसा ही अनुभव हुआ ग्राम पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशियों से लेकर जिला परिषद सदस्य पद के प्रत्याशी एक-एक करके अपना नामांकन जमा किया हैं। प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ मिलकर नामांकन पत्र जमा किया और वे अपनी राय प्रस्तुत किया हैं। श्रीभूमि जिला के रामकृष्णनगर क्षेत्र में गत 11 अप्रैल (शुक्रवार) को 100 से अधिक लोग एकत्रित होकर भेटारबन्द जीपी के 3 नंबर वार्ड सदस्य प्रत्याशी बिमल नाथ (अपु) का नामांकन दुल्लभछड़ा विकास खंड कार्यालय में जाकर बीडीओ के पास दाखिल किया।इसके बाद कार्यालय से बाहर निकलने पर उन्होंने कहा कि लंबे समय से लोगों के लिए काम कर रहे हैं, इसलिए आज नामांकन दाखिल करने के समय भी सैकड़ों मतदाता उनके साथ हैं उत्साह के साथ और उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस बार जनता के आशीर्वाद से वह भारी मतों से जीतेंगे। लेकिन अब यह देखना है कि अंतिम खेल में कौन बाजी मारता है।

मंडी में खुले में पडा किसानों का गेहूं

● भाकियू सुनील ने की टीन टिन सेट खाली करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात

मंडी समिति में खुले मे पडा किसान का गैहूं।

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन सुनील के पदाधिकारियों ने मथुरा मंडी समिति में किसानों के अनाज रखने के लिए टिन सेट खाली करने की मांग के लिए मंडी सचिव पंकज शर्मा को ज्ञापन सौंपा। भाकियू सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी ने कहाकि मथुरा मंडी समिति में किसानों का अनाज खुले आसमान के नीचे पड़ा रहता है। मंडी समिति में किसानों के अनाज रखने के लिए सिर्फ एक टिन सेट खाली है। बारिश पड़ने पर किसानों का अनाज पानी में बह जाता है। भारतीय किसान यूनियन सुनील के कार्यकर्ताओं ने पूर्व में टिन सेट खाली करने के लिए आंदोलन किया था। उसके बाद पांच नंबर प्लेट फॉर्म को खाली किया गया। अब गेहूं की फसल चल रही है किसान अपना गेहूं लेकर जब मंडी समिति में आते हैं तो उनको अपना गेहूं खुले आसमान के नीचे रखना पड़ता है।

किसान संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि मंडी सचिव पंकज शर्मा ने आश्वासन दिया है कि पांच नंबर प्लेट फॉर्म खाली पड़ा है। किसानों के अनाज रखने लिए तीन नए प्लेट फार्म का प्रस्ताव पास हो चुका है। तीन नए प्लेटफार्म का निर्माण किया जाएगा, जिससे किसी भी किसान को परेशानी न हो। किसानों के पीने के पानी के लिए मंडी समिति मे तीन नई बोरिंग कराई गई है। एक आरओ को भी चालू कर दिया गया है और भी आरओ पीने के पानी के लिए मंडी समिति में लगाए जाएंगे। मंडी सचिव पंकज शर्मा के आश्वासन के बाद ही किसान नेता मंडी समिति कार्यालय से बहार आये।

राम भक्त हनुमान की भक्ती में सराबोर हुई कान्हा की नगरी

● हनुमान मंदिरों में हुआ अभिषेक, फूल बंगला एवं छप्पन भोग दर्शन

रामचरित मानस पाठ व भजन संध्या के कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

घाटी वाले हनुमान मंदिर में हनुमानजी का पंचामृत अभिषेक करते मंदिर के महंत बलदेव प्रसाद व्यास।

मथुरा। महानगर के हनुमान मंदिरों पर हनुमान जयन्ती के अवसर पर रामभक्त हनुमान का अभिषेक किया गया और छप्पन भोग के दर्शनों का आयोजन हुआ। सुबह से देर शाम तक मंदिरों में हनुमान भक्तों की भीड़ दर्शन और आराधना करने के लिए लगी रही। शनिवार को प्रातः सात बजे प्राचीन मन्दिर घाटी वाले बाबा गूजरघाटी, चौक बाजार मथुरा पर श्री हनुमानजी महाराज (घाटी वाले बाबा) का 251 किलो दूध, 51 किलो दहीं, 51 किलो बूरा, 11 किलो घी, 11 किलो शहद, केशर, गुलाब इत्र एवं गंगा यमुना जल द्वारा पंचामृत अभिषेक महंत बल्देव प्रसाद व्यास एवं चरण सेवक सोनू पंडित व मोनू पंडित ने किया।

अभिषेक दर्शनों के समय मंदिर में काफी संख्या महिला पुरूष भक्त हनुमानजी और रामजी से संबंधित भजन गा रहे थे। भाक्तगणों ने साथ में पूजा अर्चन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। सायंकाल प्राचीन मन्दिर घाटी वाले बाबा गूजर घाटी चौक बाजार मथुरा पर श्री राम दरबार, श्री हनुमन्त लाल जी एवं श्री श्रीनाथ जी के समक्ष विभिन्न सामग्री सहित भव्य विशाल छप्पन भोग ठाकुरजी को अर्पण किये गये। भव्य फूल बंगला में विराजे ठाकुरजी की शोभा अद्वितीय दर्शित हो रही थी। विभिन्न फूलों की महक से वातावरण सुगन्धमय होकर भक्तों के मन भी सुमनमय कर रहे थे। इस असपर पर शाम को मंदिर भजन सन्ध्या का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें श्री हनुमान जी, श्री रामजी आदि के सुमधुर भजन दर्शनार्थियों का मन मोह रहे थे। सभी कार्यक्रमों की व्यवस्था में महंत सत्य नारायण शर्मा, ट्विंकल वर्मा, गोपाल, अभिषेक चतुर्वेदी, रजत भारती, रितेश, जौनी, सोनू भगत, आशीष आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

निजी स्कूलों को नहीं मिलेगी लूट की छूट

● जिलाधिकारी बोले स्कूल प्रबंधकों की शीघ्र बुलाएंगें बैठक

समस्याओं के समाधान को संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

निजी स्कूलों द्वारा की जा रही लूट के विरूद्ध अभिभावक संघ के पदाधिकारी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर खड़े हुए।

मथुरा। छात्रों व अभिभावकों की समस्याओं व प्राइवेट स्कूलों द्वारा की जा रही लूट के संदर्भ में अभिभावकों के प्रतिनिधि मंडल ने जिला अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह को ज्ञापन सौंप कर लूट मचाने वाले शिक्षण संस्थानों के प्रबंधकों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों के साथ विस्तृत रूप से वार्ता करने के बाद जिला अधिकारी द्वारा तुरंत संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर शीघ्र एक बैठक प्रबंधकों के साथ बुलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लूट किसी भी शिक्षण संस्थान को करने नहीं दी जाएगी।

अभिभावक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि निजी स्कूलों किताब, कापी, ड्रेस आदि के लिए दुकानें तय कर रखी हैं। जिन पर मनमानी कीमत पर बच्चों व अभिभावकों को किताब, बुक, ड्रेस आदि सामिग्री खरीदनी पड़ रही है। इसे तुरंत रोका जाए।

इस अवसर पर संघ के संस्थापक शशिभानू गर्ग, अध्यक्ष हेमेंद्र गर्ग, मंत्री जगत बहादुर अग्रवाल, परग गुप्ता, सचिन अरोरा, आशीष वर्मा, सचिन चौधरी, आशीष गर्ग, श्रीकांत गुप्ता, राजीव बंसल, विजय चौधरी, सुधीर वर्मा, गगन बंसल आदि उपस्थित रहे। दूसरी ओर निजी शिक्षण संस्थानों के खिलाफ महानगर कांग्रेस ने भी प्रदर्शन किया।

परिक्रमा मार्ग में अब अतिक्रमण किया तो लगेगा आर्थिक दंड

● अतिक्रमण हटाने में आने वाले खर्चे की वसूली करेगा नगर निगम

स्वतंत्र प्रभात

वृंदावन में परिक्रमा मार्ग से अतिक्रमण हटाती नगर निगम की जेसीबी।

मथुरा। नगर निगम अतिक्रमण हटाता है और आदतन लोग अतिक्रमण करते रहते हैं। यह सिलसिला अब थमेगा। नगर निगम अब अतिक्रमण हटाने आने वाले खर्चे की वसूली अतिक्रमण करने वालों से करेंगा। इसके लिए अतिक्रमण करने वालों पर आर्थिक दंड लगाया जाएगा। वृंदावन में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन प्रतिदिन होता है। बडी संख्या में श्रद्धालु परिक्राम करते हैं। वृंदावन परिक्रमा मार्ग को लगातार अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नगर निगम की टीमें कार्यवाही करती हैं। दूसरी ओर श्रद्धालुओं के आने से रोजगार के अवसर भी बढते हैं इसका लाभ उठाने के लिए परिक्रमा मार्ग में अतिक्रमण करने वाले लगातार कार्यवाही के बाद भी अपने अभियान को आगे बढाते रहे हैं।

श्रद्धालुओं को अवैध अतिक्रमण के चलते परेशानियों का सामना करना पड़ता है। परिक्रमा लगाते हुए अवैध अतिक्रमण के कारण कई श्रद्धालुओं को चोट भी लगती रही है। जिला प्रशासन, नगर निगम मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण एवं पुलिस बल द्वारा वृन्दावन परिक्रमा मार्ग से दो स्थानों पर अवैध अतिक्रमण हटाया गया है। जिला प्रशासन, नगर निगम एवं मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण ने परिक्रमा मार्ग पर निवासित लोगों से अपील की है कि जिन्होंने परिक्रमा मार्ग में अतिक्रमण कर रखा है, वह स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लें। विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने पर नियम अनुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी तथा अर्थ दंड भी लगाया जाएगा, जिसके लिए स्वयं अतिक्रमणकर्ता जिम्मेदार होगा।